RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः333, रविवार, 18 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

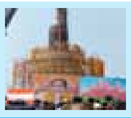
पूर्वी चम्पारण में रचा गया इतिहास : विराट रामायण मंदिर परिसर में स्वयंभू सहस्त्रलिंगम ... 03

विराट रामायण मंदिर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ऐतिहासिक आगमन 04

सुज़ैन खान ने ऋतिक रोशन और सबा आजाद पर लुटाया प्यार, किया खास... 07

समृद्धि यात्रा के तहत पूर्वी चंपारण पहुंचे मुख्यमंत्री, 172 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

राकेश कुमार

मोतिहारी। बिहार में विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई समृद्धि यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने आज पूर्वी चंपारण जिले का भ्रमण किया। इस दौरान जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया गया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। मुख्यमंत्री द्वारा पूर्वी चंपारण जिले में 34 करोड़ रुपये की लागत से संचालित 40 योजनाओं का शिलान्यास तथा 138 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण 30 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इन योजनाओं में सड़क, पुल, भवन निर्माण, शिक्षा, कौशल विकास एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने मोतिहारी स्थित महिला आईटीआई में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण किया और वहां अध्ययनरत छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं से प्रशिक्षण, रोजगार की संभावनाओं एवं संस्थान की सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली तथा कौशल विकास को

समय की आवश्यकता बताया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने मंजुराहा गांव में निर्माणाधीन पुल सहित अन्य विकास योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया और कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर दिया। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को पूरी प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके। समृद्धि यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री मोतिहारी के गांधी मैदान में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में भी शामिल हुए और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के समग्र विकास और हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ईरान से लौटे भारतीय दिल्ली एयरपोर्ट पर फूट-फूटकर रोए

- कहा-वहां इंटरनेट नहीं, हालात बदतर, हिंसा में 3 हजार+मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में हिंसा के बीच वहां फंसे कई भारतीय नागरिक शुक्रवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। इनमें कुछ भारत सरकार के पहल से भारत लौटे, तो कुछ निजी फ्लाइट्स से अपने खर्च पर वापस आए। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने परिवार से गले लगकर कई भारतीय नागरिक फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान वे किस परिस्थितियों में

ईरान में फंसे थे। ईरान से लौटे जम्मू-कश्मीर के एक युवक ने कहा- वहां हालात बहुत खराब हैं। खतरनाक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान से लौटी मेडिकल स्टूडेंट अर्श दहरा ने बताया कि भारतीय दूतावास ने उनसे संपर्क किया था, लेकिन वह एक निजी फ्लाइट से खुद दिल्ली आई हैं। एक अन्य युवक ने कहा- हम वहां एक महीने तक फंसे रहे। एक-दो हफ्तों से ज्यादा परेशानी होने लगी। घर से बाहर निकलते, तो प्रदर्शनकारी गाड़ी के सामने आ जाते थे। ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई है। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं। ईरान ने 14 जनवरी को एयरस्पेस बंद कर दिया था।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग विराट मंदिर में स्थापित

- सीएम नीतिश, डिप्टी सीएम सम्राट और विजय सिन्हा बने गवाह

मोतिहारी (एजेंसी)। विश्व के सबसे बड़े और चर्चित शिवलिंग को 54 दिनों की कड़ी साधना के बाद मोतिहारी में बन रहे विराट रामायण मंदिर में स्थापित कर दिया गया। बनारस और पटना के पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ मंडप में विधि-विधान से पूजा के बाद रामायण मंदिर परिसर में शिवलिंग की स्थापना कार्य शनिवार संपन्न हुआ। महावीर मंदिर ट्रस्ट पटना

की अगुआई में मोतिहारी के कल्याणपुर पंचायत के कैथवलिया गांव में शिवलिंग स्थापना के ऐतिहासिक क्षणों के गवाह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा समेत लाखों लोग बने। विश्व के करोड़ों लोगों ने इंटरनेट पर पूरेविधान को ऑनलाइन भी देखा। महावीर मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र शायन कुणाल और उनकी पत्नी सांसद शाम्भवी चौधरी ने यजमान की भूमिका में भोलेनाथ का आवाहन किया। बनारस, अयोध्या व हरिद्वार से पहुंचे आचार्यों ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। अयोध्या से पधारे 21 बटुकों ने स्वास्ति वाचन किया।

काशी को बदनाम करने की हो रही है साजिश: योगी

- कहा-झूठी तस्वीरों से गुमराह किया इसलिए मुझे आना पड़ा

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में मणिकर्णिका घाट को लेकर बवाल को लेकर सीएम योगी शनिवार को कांग्रेस पर जमकर भड़के। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रानी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को तोड़े जाने के आरोपों पर कहा- काशी को बदनाम करने की साजिश हुई, इसलिए मुझे खुद आना पड़ा है। साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। सीएम ने कहा- मंदिर तोड़े गए हैं, इससे ज्यादा बड़ा झूठ नहीं हो सकता है। अहिल्याबाई होल्कर

की प्रतिमा को संरक्षित किया गया है, जब जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा, तब प्रतिमा नई तरह से दिखेगी। कांग्रेस मंदिर तोड़ने के एआई वीडियो से जनता को गुमराह कर रही है, यह अपराध है। सीएम ने कहा- अहिल्याबाई का कांग्रेस ने सम्मान नहीं किया। इनके नेताओं की टिप्पणी पर हंसी और दया आती है। ये वैसा ही है, जैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। मैं एआई से तस्वीर बनाने वालों को चेतावनी देता हूं, इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, 10 जनवरी को इंदौर के होल्कर ट्रस्ट ने दावा किया था कि मणिकर्णिका घाट पर देवी अहिल्या बाई होल्कर की मूर्ति तोड़ दी गई है। कई धार्मिक प्रतीकों को भी नुकसान हुआ है। कुछ मूर्तियां मलबे में दब गईं।

भारत में चाहे कुछ अच्छा हो या बुरा, हिंदुओं से ही पूछा जाएगा

- महाराष्ट्र के संभाजीनगर से आरएसएस चीफ मोहन भागवत का बड़ा बयान

कहा-भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत के साथ कुछ अच्छा या बुरा होता है, तो उसके लिए हिंदुओं से सवाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि यह देश के चरित्र का प्रतीक है। आरएसएस प्रमुख ने यह बात छत्रपति संभाजीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान कही। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है और इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। भागवत ने कहा, ''अगर भारत में कुछ अच्छा या बुरा होता है, तो हिंदुओं से पूछा जाएगा। भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''जो लोग एकीकरण में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है।''

- **संघ चीफ ने स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल पर दिया जोर-** भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों को इस्तेमाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। हमने आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना है और हमें इसी रास्ते पर चलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं, हम वैश्विक परिवार की अपेक्षा रखते हैं।'' भागवत ने हिंदुओं में एकता का आह्वान किया और कहा कि यह केवल आरएसएस का उद्देश्य नहीं, बल्कि समुदाय के सभी सदस्यों का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए।

गणतंत्र दिवस से पहले अलर्ट पर दिल्ली-यूपी

- बड़े हमले की फिराक में खालिस्तानी और बांग्लादेशी आतंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस नजदीक आते ही खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और बांग्लादेश से जुड़े आतंकी गुट दिल्ली समेत देश के कई शहरों को निशाना बना सकते हैं। पंजाब के गैंगस्टर, जो विदेश में बैठे खालिस्तानी और कट्टरपंथी आकाओं के

लिए काम कर रहे हैं, उनकी गतिविधियां बढ़ी हुई पाई गई हैं। ये गैंगस्टर देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। खुफिया सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी ने बताया है कि गणतंत्र दिवस से पहले, खुफिया एजेंसियों ने यह अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकी समूहों की संभावित गतिविधियों को लेकर है। ये समूह दिल्ली और देश के अन्य शहरों में हमले की फिराक में हो सकते हैं। खुफिया अलर्ट के अनुसार, पंजाब के गैंगस्टर अब विदेश में बैठे खालिस्तानी और कट्टरपंथी आकाओं के लिए पैदल सैनिक के तौर पर काम कर रहे हैं। ये आका अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

पत्थरदिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी

- पीएम बोले-बंगाल में घुसपैठियों को वोटर बना रही टीएमसी
- इन्हें बसाकर गरीबों का हक छीना जा रहा

टीएमसी सरकार को चेतावनी, भाजपा इन्हें देश से निकालेगी

कोलकाता/गुवाहाटी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा में शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है। बंगाल के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। टीएमसी घुसपैठियों को वोटर बना रही। गरीबों का हक छीना जा रहा है। भाजपा सरकार बनते ही घुसैपठियों पर एक्शन लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। यहां आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी गई है। ऐसी पत्थर दिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है। पीएम ने मालदा में भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन किया। यह ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलेगी। उन्होंने ट्रेन

के ड्राइवर से मुलाकात और उसके बारे में जाना। पीएम ने ट्रेन में मौजूद बच्चों से भी बात की।

पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम- हमारा देश 2047 तक विकसित होने पर काम कर रहा है। इसलिए लिए पूर्वी भारत का विकास होना जरूरी है। पूर्वी भारत को दशकों तक नफरत करने वालों ने जकड़ रखा था। भाजपा ने नफरत की राजनीति करने वालों से पूर्वी भारत को मुक्त किया है। पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम है। उनका विश्वास भाजपा के साथ है। कुछ दिन पहले बिहार में बीजेपी-एनडीए की सरकार बनी है। यानी बंगाल की हर दिशा में बीजेपी के सुशासन की सरकार है।

- **बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है-** आप देखिए दुनिया के जो विकसित देश हैं, समृद्ध देश हैं, जिन्हें पैसों की कमी नहीं, वे भी घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। प. बंगाल में भी घुसपैठियों को बाहर करना जरूरी है। एक एक घुसपैठिए को निकालना जरूरी है। टीएमसी के रहते ये संभव नहीं है। ये जमीन-हक, बहन-बेटियों की रक्षा नहीं करेंगे। इन्हें सत्ता से बाहर निकालना चाहिए। मैं मालदा की बाढ़ राहत की कैग रिपोर्ट देख रहा था। टीएमसी के चहेतों के खातों में 40-40 बार बाढ़ राहत का पैसा भेजा गया। जो इसके हकदार नहीं थे, उन्हें लाखों रुपए दिया गया। जिन पर संकट आया उन्हें कुछ नहीं मिला।

रेवाड़ी के किसान यशपाल 3 दिन रहेंगे राष्ट्रपति के मेहमान

- गणतंत्र दिवस पर होंगे सम्मानित, कैंसर से पिता को खोया, फिर अपनाई प्राकृतिक खेती

रेवाड़ी (एजेंसी)। रेवाड़ी जिले के गांव कंवाली के किसान यशपाल खोला तीन दिन तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मेहमान बनेंगे। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किए जाने वाले छह किसानों में यशपाल खोला का नाम भी शामिल है। इसके लिए राष्ट्रपति भवन की ओर से उन्हें आधिकारिक निमंत्रण मिला है। यशपाल खोला 25 जनवरी को अपनी पत्नी अनीता कुमारी के साथ दिल्ली रवाना होंगे और 28 जनवरी को वापस लौटेंगे। यशपाल ने साल 2018 में पिता की कैंसर से हुई मौत के बाद पूरी तरह प्राकृतिक खेती को अपना लिया था।

हालांकि, उन्होंने प्राकृतिक खेती की शुरुआत साल 2014 में ही कर दी थी। जानकारी के अनुसार, इन किसानों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आईसीएआर दिल्ली तक खुद जाना होगा। इससे आगे राष्ट्रपति भवन तक पहुंचाने और वहां रहने की पूरी व्यवस्था सरकार करेगी। डीसी ने बताया कि यशपाल ने न केवल खुद प्राकृतिक खेती को अपनाया, बल्कि रकबे को प्राकृतिक खेती में बदलने में अहम भूमिका निभाई।

29 नगर निगमों में 17 पर अकेले बीजेपी का कब्जा

- महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने दर्ज की एकतरफा जीत
- राउत बोले-शिंदे जयचंद नहीं बनते तो मुंबई कभी नहीं जीतती बीजेपी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने एकतरफा जीत दर्ज की। कुल 29 नगर निगमों में से 17 पर अकेले भाजपा का कब्जा हो गया है। यानी इन निगमों में मेयर बनाने जा रही है। वहीं, उसके नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 8 निगमों में जीत हासिल की। इस तरह भाजपा गठबंधन को 25 नगर निगमों में जीत दर्ज हुई है। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) के गठबंधन ने उद्धव ठाकरे से बीएमसी छीनकर, उनका तीन दशक पुराना दबदबा खत्म कर दिया है। बीएमसी में भाजपा 89 जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से घोषित फाइनल रिजल्ट के मुताबिक बीजेपी+ ने 29 नगर निगमों में 2,869 सीटों में से 1,425 सीटें जीती हैं।

पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल

- राहुल गांधी बोले-एमपी की बीजेपी सरकार जिम्मेदारी ले
- इंदौर में मृतकों के परिजन को डेढ़-डेढ़ लाख के चेक दिए

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे। राहुल सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल गए, जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। राहुल ने कहा ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। ये है अर्बन मॉडल। उन्होंने कहा, सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। किसी को ये राजनीति लगे तो लगे, लेकिन लोगों को साफ पानी मिलना चाहिए।

इस दौरान राहुल भागीरथपुरा भी गए और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने दूसरे प्रभावितों से मुलाकात की। सभी को राहुल ने एक लाख और सिंघार

ने 50-50 हजार रुपए के चेक दिए। इस दौरान राहुल के साथ पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अजय सिंह भी रहे। दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 24 मौतें हुई है।

भागीरथपुरा में मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा इनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोग बीमार हुए हैं। ये कहा जाता था कि देश को स्मार्ट सिटी दी जाएंगी। ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है।

लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। पानी पीकर लोग मरते हैं।

ये है अर्बन मॉडल। राहुल ने कहा ये सिर्फ इंदौर में नहीं है। अलग-अलग शहरों में यही हो रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है।

सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा, जिसने यहां ये काम करवाया है। कोई तो जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। लोगों ने जो इलाज कराया है, मौतें हुई हैं उसके लिए सरकार को मुआवजा तो देना चाहिए।

रहवासियों ने बताया- साफ पानी नहीं मिल रहा

राहुल बोले कि उनको रहवासियों ने बताया कि ये जो टंकी है ये सिंबल है। आज भी साफ पानी नहीं मिल रहा है। बैन लगा दिया है, लेकिन कुछ दिन में हटा दिया जाएगा और फिर वही पानी दिया जाएगा। लोग कह रहे हैं जो सरकार की जिम्मेदारी है उसे पूरा करे। आप यहां राजनीति करने आए हैं। इस सवाल के जवाब में राहुल ने कहा मैं उनको सपोर्ट करने यहां आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं। यहां उनका मुद्दा उठाने उनकी मदद करने आया हूं। इसमें कोई गलत काम नहीं है। मेरी जिम्मेदारी बनती है कि हमारी देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है तो मदद करूं। मैं इनके साथ खड़ा हूं। आप इनको साफ पानी दिलवाइए।

संक्षिप्त समाचार

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, यूथ वनडे में 1 हजार रन किए पूरे

पटना। कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने आज के मैच में 72 रन बनाए। इसमें 3 छक्के और 6 चौके शामिल है। 8वें ओवर में वैभव ने यूथ वनडे में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में 50 प्लस स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 13वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अफगानिस्तान के शाहिदुल्लाह कमाल को पीछे छोड़ दिया है। वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरा मैच के दौरान विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव ने कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने आज के मैच में 72 रन बनाए। इसमें 3 छक्के और 6 चौके शामिल है। 8वें ओवर में वैभव ने यूथ वनडे में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में 50 प्लस स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 13वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अफगानिस्तान के शाहिदुल्लाह कमाल को पीछे छोड़ दिया है। आज के मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। आज अंडर-19 वर्ल्ड कप का दूसरा मैच है। भारत का मुकाबला बांग्लादेश से चल रहा है। यह मैच जिम्बाब्वे के बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है। वे इस मैच से पहले कोहली से 3 रन पीछे थे। जैसे ही वैभव ने 4 रन बनाया, वे यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली से आगे निकल गए। अमेरिका के साथ खेले गए पहले मैच में वैभव सिर्फ 2 रन बनाकर ही आउट हो गए थे, मगर आज उनसे बड़ी पारी की उम्मीद है। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 8वें नंबर पर हैं। उनके नाम इस मैच से पहले 19 मैचों में 975 रन हैं। वे विराट कोहली से 3 रन पीछे हैं। विराट ने 28 मैचों में 978 रन बनाए हैं।

सरस्वती पूजा पर पटना में बनेंगे 7 आर्टिफिशियल तालाब, तय स्थानों पर ही होगा मूर्ति विसर्जन

पटना। सरस्वती पूजा के अवसर पर पटना में आर्टिफिशियल तालाब बनाए जाएंगे, जिसमें मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। इसे लेकर पटना नगर निगम तैयारी में लगा हुआ है। पटना में विभिन्न घाटों पर कुल 7 आर्टिफिशियल तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। नगर निगम पटना इन तालाबों को विशेष रूप से पूजा के दौरान मूर्ति और पूजन सामग्री के विसर्जन को लेकर बनाए जा रहे हैं। निर्धारित स्थलों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर विसर्जन किए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा। बांकीपुर अंचल में लॉ कॉलेज घाट, पाटलिपुत्र अंचल में पाटीपुल घाट और मीनार घाट, अजीमाबाद अंचल में घाट और मित्तन घाट, पटना सिटी अंचल में कंगन घाट और दमराही घाट में आर्टिफिशियल तालाब बनाए जा रहे हैं। इस दौरान कपड़े से बैरिकेडिंग की जाएगी और लाइट भी लगाया जाएगा। पटना शहर को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने यह तैयारियां की है। गंगा नदी सहित अन्य जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए पटना नगर निगम विशेष सफाई अभियान चलाएगा। सरस्वती पूजा के अवसर पर अभियान को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए पटना नगर निगम की विशेष जागरूकता टीमें भी घाटों पर तैनात रहेंगी। ये टीमें श्रद्धालुओं एवं पूजा समितियों को प्लास्टिक रैपर, पॉलीथिन तथा अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करेगी।

बाइक सवार युवक को हाइवा ने कुचला, मौत, पटना से लौटते समय अथमलगोला में हादसा

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। यह घटना गंजपर स्थित डगरपर के नजदीक एसएच 106 पर हुई, जब एक ट्रक ने उनकी बाइक को कुचल दिया। बाइक पर सवार उसका दोस्त मुन्ना कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की पहचान 25 वर्षीय सूरज कुमार के तौर पर हुई है, जो अथमलगोला थाना क्षेत्र के लालू चौक कमरापर गांव का निवासी था। वह अपने साथी मुन्ना कुमार के साथ पटना से ड्यूटी कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गंजपर गांव स्थित डगरपर के पास अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मुन्ना कुमार को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजनों ने बताया कि सूरज पटना में एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। वह आमतौर पर प्रतिदिन ट्रेन से पटना आता-जाता था, लेकिन घटना वाले दिन वह बाइक से पटना गया था। हादसे में युवक का सिर बुरी तरह कुचला गया।

साइबर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी में पैसे वापस दिलाए, खाते से कटे 86 हजार, 58 हजार की वापसी हुई

हाजीपुर। वैशाली में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। हाजीपुर साइबर थाना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पीड़ित को ऑनलाइन धोखाधड़ी में गंवाए गए 58,568 रुपये वापस दिलाए हैं। यह राशि नगर थाना क्षेत्र के हथसारगंज निवासी जितेंद्र प्रसाद सिंह के पिता रामजी प्रसाद सिंह के बैंक खाते से ठगी गई थी। यह घटना कुछ समय पहले हुई थी, जब अज्ञात साइबर ठगों ने रामजी प्रसाद सिंह के बैंक खाते से लगभग 86,000 रुपए निकाल लिए थे। खाते से अचानक पैसे निकलने की जानकारी मिलने पर परिवार में हड़कंप मच गया था। धोखाधड़ी का पता चलते ही पीड़ित परिवार ने बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया और पूरी जानकारी दी। इसके बाद साइबर थाना हाजीपुर में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। समय पर सूचना मिलने के कारण साइबर पुलिस को ठगों द्वारा इस्तेमाल किए गए खातों तक पहुंचने में मदद मिली। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर धोखाधड़ी में प्रयुक्त बैंक खातों का पता लगाया और संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित कर ठगी गई राशि को तुरंत होल्ड करा दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि शिकायत में देरी होती, तो पूरी रकम निकाल ली जाती और वापसी की संभावना बहुत कम हो जाती। गहन जांच और बैंकिंग प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद, कुल ठगी गई राशि में से 58,568 रुपए सुरक्षित कर लिए गए। आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद यह रकम पीड़ित जितेंद्र प्रसाद सिंह को वापस सौंप दी गई है। हालांकि, शेष राशि की बरामदगी के लिए भी जांच जारी है और पुलिस संबंधित खातों व लिंक्स की पड़ताल कर रही है।

पटना में रिटायर्ड महिला टीचर की हत्या कर लूटपाट

घर में घुसकर गला काटा, चेन-कान के कुंडल तोड़ ले गए, सूचना देने वाली महिला हिरासत में

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के AG कॉलोनी पार्क के पास रिटायर्ड महिला टीचर की हत्या कर दी गई। घर में घुसकर अपराधियों ने चाकू से गला काटा है। शरीर पर कई जगह चाकू से हमले के निशान मिले हैं। मृतका की पहचान रिटायर्ड शिक्षिका माधवी कुमारी (78) के रूप में हुई है। वो घर में अकेले रहती थीं। महिला के शरीर से गहने गायब हैं, लेकिन घर का सारा सामान ठीक-ठाक मिला है। शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है। हत्या की जांच जारी है। महिला की एक बेटी और 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा उज्ज्वल देहरादून में प्रोफेसर है। दूसरा बेटा उत्कल कुमार दिल्ली में मल्टीनेशनल बैंक ऑफ अमेरिका में अधिकारी है। मृतिका के पति अमरेंद्र कुमार दास AG ऑफिस में अधिकारी थे और 2008 में रिटायर्ड हुए थे। उनकी मौत 2023 में हुई थी।

सुबह पड़ोसी ने बेटी को फोन कर बुलायाः बताया जा रहा है कि सबसे पहले घटनास्थल पर पड़ोस की महिला पहुंची थी। उसने महिला की बेटी को फोन कर घटना की जानकारी दी। महिला की बेटी इसी बिल्डिंग में डांस क्लास चलाती है। वहीं देख-रेख भी करती थीं।

पुलिस ने पड़ोसी महिला को हिरासत में लिया हैः हत्या में पुलिस ने पड़ोस की रहने वाली एक महिला को हिरासत में लिया है। यही महिला सबसे पहले मौके पर पहुंची थी। मीडिया ने इस महिला से सवाल किया तो किसी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। फिलहाल पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है।

मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीमः मौके पर सचिवालय SDPO 2 साकेत कुमार सहित स्थानीय थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सचिवालय SDPO 2 ने बताया कि, 'आज शास्त्री नगर थाना को यह सूचना मिली थी AG कॉलोनी में हाउस नंबर सी 71 में कुछ घटना घटी है। सूचना के सत्यापन के लिए शास्त्री नगर थानाध्यक्ष तुरंत घटना स्थल पहुंचे।

पटना IG बोले- SIT कर रही घटना की जांचः पटना आईजी जितेन्द्र राणा ने कहा कि, 'अभी SIT ने घटनास्थल का मुआयना किया है। इसमें जो भी जांच के बिंदु हैं, उन सभी बिंदुओं पर टेक्निकल जांच होगी। उसके अलावा जो बाकी अभी तक अनुसंधान में प्रोग्रेस हुई है, उस सब की समीक्षा की जाएगी। आपने देखा कमजोर वर्ग की एक महिला द्वारा भी घर विजिट किया गया है।'

नीतीश के बाद लालू को भारत रत्न देने की मांग

एजेंसी, पटना

पटना में राजद कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाया, लिखा- लालू गरीबों के मसीहा और हमारे भगवान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग होने के बाद अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है। पटना में राजद कार्यालय के बाहर बड़ा पोस्टर लगाकर भारत रत्न देने की मांग की गई है। इस पोस्ट में एक तरफ लालू प्रसाद यादव तो दूसरी तरफ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाई गई है। बीच में भारत रत्न की तस्वीर छापी गई है। यह पोस्ट आरजेडी के सचिव रणजीत रजक ने लगाई है।

लालू यादव को बताया गरीबों का मसीहाः ऑलरेडी कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में लालू प्रसाद यादव को गरीबों के मसीहा और हमारे भगवान बताया गया है इस पोस्ट में लिखा गया है कि भारत सरकार से अपने आदरणीय नेता के लिए एक मांग रखी गई है सामाजिक न्याय के नेता और बिहार की आवाज पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

लैंड फॉर जॉब मामले में कोर्ट के द्वारा चार्ज फ्रेम होने के बाद लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ गई है। पिछले दिनों दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान लैंड फॉर जॉब मामले में केस चलाने के लिए अनुमति दी साथी इस मामले में लालू प्रसाद यादव सहित राबड़ी देवी तेजस्वी यादव मिश्र भारती सहित पूरे परिवार पर चार फ्रेम किया गया। जदयू के पूर्व सांसद और सलाहकार कैसी त्यागी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थीं।

पटना नगर निगम टैक्स एसेसमेंट के लिए घर-घर करेगा सर्वे

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम ने छूटी हुई संपत्तियों की पहचान और टैक्स एसेसमेंट की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए निर्धारित समय सीमा तय की है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने संबंधित अधिकारियों को सभी वार्डों में घर-घर जाकर सर्वे करने का निर्देश दिया है। नगर आयुक्त ने इसके लिए तीन लेवल में टीम का गठन किया है। इसमें अंचल, वार्ड और सेक्टर लेवल पर यह टीम काम करेगी। 31 जनवरी तक नई संपत्तियों की पहचान और 28 फरवरी तक नगर निगम क्षेत्र की सभी संपत्तियों का रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपना है।

टैक्स निर्धारण करते हुए मुख्यालय को सौंपेंगे रिपोर्टः प्रोपर्टी टैक्स के निर्धारण के लिए अंचल स्तर की टीम में कार्यपालक पदाधिकारी, सिटी मैनेजर, राजस्व पदाधिकारी और मुख्य सफाई निरीक्षक होंगे। वहीं, वार्ड स्तर की टीम में सफाई कर्मी और एक सहयोगी कर्मी होंगे। इसके साथ ही सेक्टर स्तर की टीम में वरीय नोडल पदाधिकारी, सफाई इंस्पेक्टर और जोनल पदाधिकारी होंगे। ये सभी संपत्ति धारक की पहचान कर और उनका टैक्स निर्धारण करते हुए रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपेंगे।

छूटी संपत्तियों पर सख्ती, तीन लेवल में टीम गठित

खेल संबंधी समस्याओं को लेकर होगी जनसुनवाई हर सोमवार-शुक्रवार को कर सकेंगे शिकायतें

एजेंसी, पटना

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स स्थित बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (BSSA) के ऑफिस में अब खेल संबंधी शिकायतें सुनी जाएगी। बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 'सात निश्चय-3 में 'सबका सम्मान-जीवन आसान' के तहत यह फैसला लिया गया है। BSSA के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने इसकी जानकारी दी। हर सोमवार और शुक्रवार को सुबह 11 से 1 बजे के बीच खेल से जुड़े खिलाड़ियों और हितधारकों की शिकायतों, समस्याओं और सुझावों को सुना जाएगा।

सुझावों पर किया जाएगा अमल- BSSA महानिदेशकः रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि नीतीश कुमार के द्वारा सात निश्चय-3 का कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका सातवां निश्चय 'सबका सम्मान, जीवन आसान' है। इस योजना के तहत हर पदाधिकारी को अपने कार्यालय में दो दिन- सोमवार और शुक्रवार को वर्किंग टाइम के बीच पब्लिक से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनना है और समस्या का समाधान निकालना है। इस योजना के तहत बिहार राज्य खेल प्राधिकरण में हर सोमवार और शुक्रवार को मेरे कार्यालय में आकर खेल संबंधी समस्याओं के बारे में बता सकते हैं। हमारी कोशिश रहेगी कि आपकी सारी कंप्लेंट और समस्याओं का जल्दी से निपटारा किया जा सके। अगर आपका कोई सुझाव होगा तो उस पर अमल भी किया जाएगा।

♦ सात निश्चय-3 के तहत लिया गया फैसला

19 जनवरी से प्रभावी होगी यह व्यवस्थाः इस पहल के बारे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद जानकारी दी थी। इसका मुख्य उद्देश्य सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना और आसान बनाना है। यह व्यवस्था 19 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगी। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, '24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हम लोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हम लोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है।' 'हम लोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हम लोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।"

शॉर्ट सर्किट से प्लास्टिक गोदाम में आग 1 किमी दूर से दिखा धुएं का गुबार

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के बाईपास थाना क्षेत्र स्थित करमाली चेक में शनिवार सुबह एक प्लास्टिक गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें काफी ऊंची उठती दिखीं, धुएं का गुबार एक किलोमीटर दूर से ही नजर आ रहा है। गोदाम कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड को खबर की, जिसके बाद अग्निशमन विभाग की एक दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू हुई। गनीमत रही कि आग भड़कते समय गोदाम के अंदर कोई भी व्यक्ति नहीं था। नहीं तो यह घटना और भयानक हो सकती थी।

पटना में दमकल की 12 गाड़ियां काबू पाने में जुटीं

गोदाम में कोने से निकला धुआं, कुछ देर में लपटें उठने लगींः शनिवार सुबह गोदाम के एक कोने में अचानक आग लगने के बाद धुआं उठने लगा। जब लोगों ने आग देखी तो इसकी सूचना फौरन बाईपास थाना को दी। इधर, प्लास्टिक के सामान होने की वजह से आग और तेजी से फैली और पूरी गोदाम में फैल गई। इधर, सूचना मिलने के बाद बाईपास थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। पटना के लगभग एक दर्जन दमकल गाड़ियां और एक हाइड्रोलिक गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुटी।

प्लास्टिक के डिब्बों से भरा था गोदामः गोदाम में प्लास्टिक के बड़े-बडे डिब्बे थे, जिसकी वजह से आग तेजी से फैली। लाखों के नुकसान की आशंका है। आग गोदाम के पहले तल्ले पर लगी, जिसे समय रहते कंट्रोल किया जा रहा है। बाइपास होने से घनी आबादी वाला इलाका नहीं है, लेकिन पास की कुछ बिल्डिंग को नुकसान न हो, इसका भी ख्याल रखा जा रहा है।

फायर सेफ्टी का कोई मापदंड पूरा नहीं - फायर ऑफिसरः फायर ऑफिस दयानंद सिंह ने बताया, लगभग एक दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की संभावना है। नुकसान को लेकर उन्होंने बताया कि, फिलहाल गोदाम के मालिक ने इस संबंध में अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है।

दानापुर में सड़क किनारे पड़ा मिला शव, आधार कार्ड से हुई पहचान

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर में शनिवार सुबह सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव दानापुर थाना क्षेत्र के गाभतल पंचशील नगर रोड स्थित जीतन इनक्लेव के सामने मिला है। सूचना मिलने पर डायल 112 और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की है।

शरीर पर किसी भी चोट के निशान नहींः स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक शुक्रवार रात करीब 10 बजे से दुकान के चबूतरे पर बैठा था। इसके बाद क्या हुआ, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। मृतक के शरीर पर किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

आधार कार्ड से हुई शव की पहचानः शव के पास एक चबूतरे पर मृतक का पर्स और उसमें रखे कागजात मिले, जिसमें एक आधार कार्ड भी शामिल था। सारे कागजात बिखरे पड़े थे। आधार कार्ड के जरिए मृतक की पहचान भोजपुर के छज्जनगंज भालूहीपुर, आरा निवासी 41 वर्षीय सुशील कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने पर्स में मिले कुछ नंबरों पर संपर्क कर परिजनों को सूचना दी। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि, गाभतल मुशहरी के समीप एक व्यक्ति का शव मिला है। शव पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

♦ पास में पड़ा मिला पर्स

पटना सिटी में एटीएम तोड़ने की कोशिश फेल, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र में आरओबी पुल के नीचे एक एटीएम में चोरी का असफल प्रयास किया गया। शुक्रवार देर रात चोरों ने एटीएम को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन नकदी निकालने में सफल नहीं हो पाए। चोरी की कोशिश में बदमाशों ने ATM को डैमेज कर दिया और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

यह घटना शुक्रवार की देर रात हुई, जब चोरों के एक गिरोह ने एटीएम को निशाना बनाया। चोरों ने एटीएम को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और उसमें लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया, ताकि उनकी पहचान न हो सके। गनीमत रही कि एटीएम में रखा कैश पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। शनिवार सुबह जब स्थानीय लोगों और फुटपाथ दुकानदारों ने

एटीएम को टूटा देखा तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मकान मालिक मोहम्मद इमरान ने बताया कि, उनके मकान के नीचे एक निजी कंपनी का यह एटीएम है। उन्होंने भी घटना की जानकारी चौक थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 और चौक थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। चौक थाना प्रभारी ने बताया कि चोरों ने एटीएम तोड़कर पैसा निकालने का प्रयास किया था, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। एटीएम में रखी सारी नकदी सुरक्षित है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों के गिरोह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बिहार पुलिस को मिलेगी ड्रोन यूनिट

एजेंसी, पटना

बिहार पुलिस अब कानून-व्यवस्था और यातायात नियंत्रण को बेहतर बनाने के लिए तकनीक का सहारा ले रही है। राज्य में पहली बार बिहार पुलिस की एक अलग ड्रोन यूनिट का गठन किया जाएगा। इस यूनिट का मुख्य उद्देश्य भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना होगा। एडीजी (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन यूनिट के गठन से पुलिसिंग अधिक प्रभावी, तेज और तकनीक आधारित बनेगी।

ड्रोन यूनिट का गठन, 50 आधुनिक ड्रोन खरीदेंगेः एडीजी सुधांशु कुमार के अनुसार, इस यूनिट के लिए कुल 50 आधुनिक ड्रोन खरीदे जाएंगे, जिन पर लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें से 40 ड्रोन राज्य के विभिन्न पुलिस जिलों को दिए जाएंगे, जबकि 10 ड्रोन विशेष कार्यों के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (STF) को मिलेंगे। इन ड्रोन की खरीद केंद्र सरकार की ASUMP (असिस्टेंस टू स्टेट्स एंड ड्यूटीज फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस) योजना के तहत की जा रही है। उम्मीद है कि यह ड्रोन यूनिट मार्च तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगी।

निगरानी में होगा ड्रोन का प्रमुख उपयोगः ड्रोन तकनीक का एक प्रमुख उपयोग यातायात निगरानी में होगा। एडीजी ने बताया कि ड्रोन कैमरों की मदद से बिना हेलमेट वाहन चलाने, गलत लेन में ड्राइविंग करने, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने और जाम लगाने जैसी स्थितियों की पहचान की जाएगी। इसके बाद संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ड्रोन यूनिट बड़े आयोजनों, त्योहारों, वीआईपी मूवमेंट और संवेदनशील इलाकों में भीड़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ऊंचाई से पूरे क्षेत्र की लाइव निगरानी संभव होगी, जिससे स्थिति का तुरंत आकलन कर पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जा सकेगी।

♦ 50 एडवांस ड्रोन खरीदेंगे

अपराधियों पर होगी सख्त निगरानीः STF को दिए जाने वाले ड्रोन का इस्तेमाल खास तौर पर दियारा क्षेत्रों और दुर्गम इलाकों में सक्रिय अपराधियों की निगरानी के लिए किया जाएगा। एडीजी ने कहा कि, इन इलाकों में पुलिस की भौतिक पहुंच सीमित रहती है, लेकिन ड्रोन के जरिए अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान होगा। ड्रोन यूनिट के गठन से बिहार पुलिस की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। इससे अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। पुलिसिंग में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से जवाबदेही और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

पूर्वी चम्पारण में रचा गया इतिहास : विराट रामायण मंदिर परिसर में स्वयंभू सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का भव्य अधिष्ठापन

वैदिक मंत्रोच्चार, साधु-संतों की उपस्थिति और पुष्पवर्षा के बीच गूंजा हर-हर महादेव, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत दोनों उपमुख्यमंत्री बने ऐतिहासिक क्षण के साक्षी

बीएनएम@अमित कुमार सिंह@ कैथवलिया/ कल्याणपुर

देश के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में शनिवार को पूर्वी चम्पारण जिले ने एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया जानकीनगर धाम स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर में स्वयंभू देवाधिदेव महादेव के दिव्य एवं शास्त्रसम्मत सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का विधि-विधान से श्रद्धापूर्वक अधिष्ठापन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और हर-हर महादेव के गगनभेदी उद्घोष के बीच यह पावन अनुष्ठान ऐतिहासिक बन गया। इस अलौकिक और ऐतिहासिक अवसर के साक्षी स्वयं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा एवं सम्राट चौधरी बने। चंपारण समृद्धि यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों ने मंदिर परिसर पहुंचकर देवाधिदेव महादेव का पूजन-अर्चन कर प्रदेश की सुख- समृद्धि की कामना की। सुबह आठ बजे से ही धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हो गया। यजमान के रूप में श्रद्धेय आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र सायन कुणाल एवं सांसद सांभवी चौधरी यज्ञ मंडप में यज्ञवेदी पर आसीन होकर त्रिलोचन महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुए। इस पावन अवसर पर जुना अखाड़ा के महामंडलेश्वर सह अरेराज पीठाधीश्वर श्री शिवशंकर गिरी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की दिव्यता को और बढ़ा दिया। वाराणसी, अयोध्या सहित देश के विभिन्न प्रमुख धार्मिक स्थलों से पधारे विद्वान आचार्यों द्वारा सर्वप्रथम यज्ञ मंडप में वैदिक विधि से पूजन कराया गया। इसके उपरांत यज्ञ मंडप से निकलकर पैडेस्टल के समीप पीठ पूजा संपन्न कराई गई। विधिविधान पूर्ण होने के बाद देवाधिदेव महादेव का

सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के रूप में अधिष्ठापन किया गया और भोलेनाथ का भव्य मालार्पण किया गया। इस दौरान दर्जनों साधु-संतों द्वारा देश की लगभग आठ पौराणिक नदियों के पावन जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात आसमान से हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्पवर्षा की गई, जिससे संपूर्ण परिसर दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। पूरे कार्यक्रम के दौरान कैथवलिया जानकीनगर क्षेत्र हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ और ॐ नमः शिवाय के नारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और आस्था का सैलाब यह दर्शा रहा था कि यह आयोजन न केवल पूर्वी चम्पारण बल्कि पूरे देश के धार्मिक मानचित्र पर एक नई पहचान स्थापित करने वाला सिद्ध होगा।

कैलाश से कावेरी तक के पवित्र जल से हुआ महाअभिषेक

बीएनएम @ मोतिहारी/डुमरियाघाट

माघ कृष्ण चतुर्दशी पर हुआ ऐतिहासिक अधिष्ठापन, लाखों श्रद्धालु बने साक्षी। पूर्वी चम्पारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया जानकीनगर धाम में शनिवार को इतिहास रच दिया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंख-घंटों की गूंज और "हर-हर महादेव" के जयघोष के बीच विश्व के सबसे विशाल सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का भव्य अधिष्ठापन किया गया। यह आयोजन न केवल बिहार बल्कि देश-दुनिया के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ऐतिहासिक बन गया।

देश-विदेश की पवित्र नदियों के जल से हुआ जलाभिषेक : शिवलिंग के जलाभिषेक के लिए भारत की प्रमुख तीर्थस्थलों और नदियों से पवित्र जल मंगाया गया। जलाभिषेक में प्रयुक्त पवित्र जल कैलाश मानसरोवर, गंगोत्री, यमुनोत्री हरिद्वार, प्रयागराज, गंगासागर, सोनपुर, रामेश्वरम, सिंधु, नर्मदा, नारायणी, कावेरी, गंडक और गंगा नदी का जल इन सभी पवित्र जलों से विधिवत महाअभिषेक कर शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की गई।

चारों वेदों के विद्वानों ने कराई स्थापना, लाइव दर्शन की व्यवस्था : शिवलिंग स्थापना के लिए चारों वेदों के प्रकांड विद्वानों को आमंत्रित किया गया। अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, गुजरात, महाराष्ट्र और हरिद्वार से आए आचार्यों ने विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराया। मंदिर परिसर में चार विशाल एलईडी स्क्रीन लगाई गईं, ताकि बाहर खड़े श्रद्धालु भी लाइव दर्शन कर सकें। कंबोडिया और कोलकाता से मंगाए गए फूल, 18 फीट लंबी विशेष माला : देवाधिदेव महादेव के श्रृंगार

> » कैथवलिया में विराजे विश्व के सबसे विशाल सहस्त्रलिंगम महादेव
>
> » कैथवलिया की धरती पर विराजे महादेव ने न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि बिहार को विश्व धार्मिक मानचित्र पर एक नई पहचान दे दी।

में भव्यता देखते ही बनती थी। फूलों की विशेष व्यवस्था कंबोडिया और कोलकाता से मंगाए गए पुष्प एक ट्रक भरकर गुलाब, गेंदा, गुलदाउदी सहित अन्य फूल आए थे।

शिवलिंग के लिए 18 फीट लंबी विशेष माला में फूलों के साथ धतूरा, बेलपत्र और भांग का भी समावेश था।

आज ही क्यों हुआ शिवलिंग का अधिष्ठापन : आज 17 जनवरी, माघ कृष्ण चतुर्दशी की तिथि है। मान्यता है कि इसी दिन शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी। इसी दिन भगवान शिव की लिंग रूप में पूजा की शुरुआत हुई। इस तिथि का महत्व महाशिवरात्रि के समान माना जाता है। इसी कारण इस पावन दिन को स्थापना के लिए चुना गया। दो विशाल क्रेनों से हुई स्थापना, टीसीएस कर रही निगरानी शिवलिंग की स्थापना के लिए राजस्थान और मध्य प्रदेश से 750 टन क्षमता वाली दो क्रेन मंगाई गईं। इन्हीं क्रेनों की मदद से 210 टन वजनी शिवलिंग को स्थापित किया गया। पूरे तकनीकी कार्य की मॉनिटरिंग टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (TCS) द्वारा की जा रही है।

जिस मार्ग से राम-सीता गए अयोध्या, उसी मार्ग पर विराजे महादेव : मान्यता है कि विवाह के

बाद भगवान श्रीराम माता सीता के साथ जनकपुर से अयोध्या इसी मार्ग से गए थे। अरेराज माहात्म्य और गरुड़ पुराण में भी इस मार्ग का उल्लेख मिलता है। अरेराज सोमेश्वर नाथ मंदिर में प्रभु श्रीराम ने माता सीता संग पूजा-अर्चना की थी। उसी पावन मार्ग पर अब महादेव विराजमान हैं।

विश्व का सबसे बड़ा सहस्त्रलिंगम शिवलिंग :- एक नजर में

- **वजनः** 210 टन (2.10 लाख किलोग्राम)
- **लंबाईः** 33 फीट, गोलाई भी 33 फीट
- **पैडेस्टल सहित कुल ऊंचाईः** 108 फीट
- काले ग्रेनाइट की एक विशाल शिला से निर्मित
- भूकंपरोधी संरचना
- तमिलनाडु के महाबलीपुरम में 10 शिल्पकारों ने 10 वर्षों में तराशा
- पारंपरिक दक्षिण भारतीय नक्काशी की झलक
- **लागत** : लगभग 3 करोड़ रुपये
- 21 नवंबर 2025 को तमिलनाडु से प्रस्थान
- 2200 किमी की यात्रा कर 6 जनवरी 2026 को पहुंचा पूर्वी चम्पारण

विराट रामायण मंदिरः विश्व का सबसे भव्य धार्मिक प्रोजेक्ट :

- मंदिर की लंबाई 1080 फीट, चौड़ाई 540 फीट
- कुल 18 शिखर और 22 मंदिर
- मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट
- चार आश्रमों का निर्माण प्रस्तावित
- 20 जून 2023 को हुआ शिलान्यास
- वर्ष 2030 तक निर्माण पूर्ण होने की संभावना
- परियोजना महावीर मंदिर न्यास बोर्ड, पटना के अधीन
- आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट

स्थापना समारोह में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब : कैथवलिया सहित जिले और आसपास के क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु पहुंचे।"हर-हर महादेव" और"जय शिव" के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने कहा— "ऐसी दिव्यता और भव्यता जीवन में पहली बार देखी, मानो स्वर्ग में आ गए हों।"

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम, रोजगार के खुलेंगे द्वार : मंदिर निर्माण के बाद कैथवलिया जानकीनगर धाम बनेगा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन केंद्र। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा। देश-विदेश से श्रद्धालुओं के आगमन से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास होगा। सरकार और प्रशासन के सहयोग से यह स्थल बिहार ही नहीं, देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होगा।

सम्मान और सुशासन की नई कसौटी

सागर सूरज

मोतिहारी। पटना से लेकर मोतिहारी तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के प्रशासनिक रवैये में बड़े बदलाव का संकेत देती है। पूर्वी चम्पारण में आयोजित समीक्षा बैठक और निरीक्षणों के दौरान मुख्यमंत्री ने जिस तरह "सबका सम्मान–जीवन आसान" को शासन का मूल मंत्र बताया, वह सीधे तौर पर जनता और प्रशासन के रिश्ते को नए सिरे से परिभाषित करता है।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि विकास केवल सड़कों, पुलों और भवनों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आम नागरिक के रोजमर्रा के जीवन को सरल बनाना ही असली विकास है।

इसी सोच के तहत सात निश्चय–3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान–जीवन आसान (Ease of Living)' को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया तेज की गई है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों में आम लोग सम्मानपूर्वक अपनी शिकायतें रख सकें और उनका समयबद्ध समाधान हो।

यह निर्देश प्रशासनिक संस्कृति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। बिहार में लंबे समय से यह शिकायत रही है कि सरकारी दफ्तरों में आम आदमी को सुनवाई के लिए बार-बार चक्कर काटने पड़ते हैं। यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक जनता को सीधे संवाद का मंच मिलेगा। पेयजल, शौचालय और बैठने जैसी बुनियादी सुविधाओं पर दिया गया जोर यह दर्शाता है कि सरकार केवल फाइलों के निपटारे तक सीमित नहीं रहना चाहती।

पूर्वी चम्पारण में आयोजित समीक्षा बैठक में विकास योजनाओं

की प्रगति भी केंद्र में रही। जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से स्पष्ट हुआ कि सात निश्चय–2 की योजनाओं में गति आई है, जबकि सात निश्चय–3 के तहत नए लक्ष्यों पर काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि स्वीकृत योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह नौकरशाही के लिए स्पष्ट संदेश है कि अब जवाबदेही तय होगी।

समृद्धि यात्रा के दौरान मोतिहारी में महिला आईटीआई का निरीक्षण, टाटा टेक के सहयोग से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम और छात्राओं से सीधा संवाद यह संकेत देता है कि सरकार रोजगार और कौशल विकास को दीर्घकालिक निवेश के रूप में देख रही है। इसके साथ ही 34 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का शिलान्यास और 138 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन यह दर्शाता है कि पूर्वी चम्पारण को विकास के नक्शे पर विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

जीविका दीदियों और लघु उद्यमियों के स्टॉल का निरीक्षण, 370 करोड़ रुपये की बैंक लिंकेज सहायता तथा स्वरोजगार पर जोर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की रणनीति का हिस्सा है। वहीं धनौती नदी पर निर्माणाधीन आरसीसी पुल और विराट रामायण मंदिर जैसे प्रोजेक्ट विकास के साथ सांस्कृतिक पहचान को भी जोड़ते हैं। इस पूरे दौरे के दौरान प्रशासनिक और विधि-व्यवस्था की दृष्टि से चंपारण परिक्षेत्र के डीआईजी हरिकिशोर राय की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जो यह दर्शाती है कि शासन के साथ-साथ प्रशासनिक समन्वय पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कुल मिलाकर, यह दौरा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा। असली परीक्षा अब 19 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली "जन-सुनवाई व्यवस्था" की होगी। यदि यह व्यवस्था ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ लागू होती है, तो बिहार में शासन का चेहरा वास्तव में बदल सकता है। सम्मान, समाधान और सुशासन—यही इस नई प्रशासनिक सोच की असली कसौटी होगी।

अन्नपूर्णा रसोई जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण कर मनाया चौथा वर्षगांठ

बीएनएम @ मोतिहारी

अन्नपूर्णा रसोई जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण सेवा का दिनांकः 17 जनवरी 2026, शनिवार को चौथा वर्षगांठ मकर संक्रांति उत्सव के रूप में मनाया गया। मानव की सेवा करना ही सबसे बड़ी सेवा है जरूरतमंदों की सेवा करना ईश्वर की सच्ची सेवा है। उक्त बातें अन्नपूर्णा रसोई के चौथे वर्षगांठ जिसके 195वें सप्ताह के आयोजन का शुभारंभ करते हुए सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर स्वास्तिक सिन्हा ने कहा। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य शशि कला ने मौके पर भोजन वितरण करते हुए कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना यह महादान है। इस सर्वोपरि मानव सेवा धर्म को कर रहे देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद और सीता देवी ओंकार नाथ जालान सेवा संस्थान के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। अन्नपूर्णा रसोई के सेवक राम भजन ने बताया कि जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण सेवा अन्नपूर्णा रसोई प्रत्येक शनिवार को दोपहर 1बजे पिछले 4 वर्षों से यह सेवा कार्य चल रहा है जो जिले में ऐतिहासिक कार्य के रूप में चर्चित हो रहा है। जिसका शुभारंभ आज से 4 वर्ष पूर्व मकर संक्रांति के दिन किया गया था। बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर भोजन वितरण वाले कार्य क्षेत्र को आज विशेष रूप से सजाया गया और जरूरतमंदों के बीच एक उत्सव के रूप में मना कर उनके बीच खुशी और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य किया गया। वहीं सीता देवी ओंकारनाथ जालान सेवा संस्थान के विनोद जालान ने कहा कि अब प्रत्येक शनिवार को अन्नपूर्णा रसोई का लोगो को रहता है इंतजार और समय से पूर्व सैकड़ो की संख्या में लोगों की लग जाती है लाइने, भरपेट भोजन करने के बाद लोगों का पेट भरता है उससे उन्हें सुकून मिलता है उनके चेहरे पर जो खुशी का भाव झलकता है यह देखकर संस्था द्वारा किए जा रहे कार्य सफल हो जाते हैं। आज 600 से अधिक अप्रत्याशित भीड़ के बीच लाई और मसालेदार खिचड़ी, अचार का वितरण किया गया। सेवा कार्य में देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा, सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद, रंजीत कुमार, राजेंद्र जालान, मधुसूदन जालान, पर्यावरण विद केशव कृष्णा, अन्नपूर्णा रसोई सेवक, रामभजन, विक्की कुमार, गुड्डू कुमार, रामचंद्र शाह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अन्नपूर्णा रसोई के सेवक राम भजन द्वारा दी गई है।

भाजपा युवा नेता राज अग्रहरी ने सीएम योगी को दी मकर संक्रांति की बधाई

बीएनएम @ मोतिहारी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भाजपा युवा नेता राज अग्रहरी ने शिष्टाचार भेंट कर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। यह भेंट राजधानी लखनऊ स्थित 5, कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री आवास में संपन्न हुई। मिली जानकारी के अनुसार भाजपा युवा नेता राज अग्रहरी मोतिहारी जनपद के अनिकेत राज अंतरराष्ट्रीय कलाकार के बड़े भाई हैं। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की। शिष्टाचार भेंट के दौरान राज अग्रहरी ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र भेंट कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और कानून-व्यवस्था, विकास तथा सुशासन के क्षेत्र में प्रदेश ने नई पहचान बनाई है। योगी आदित्यनाथ ने भी राज अग्रहरी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी है।

समृद्धि यात्राः मुख्यमंत्री ने की विकास योजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के क्रम में आज पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी स्थित गांधी मैदान में जिले से जुड़ी विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत योजनाओं सहित सात निश्चय-2 एवं सात निश्चय-3 के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं, सात निश्चय-2 एवं सात निश्चय-3 की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने जिले में चल रहे अन्य विकास कार्यों की भी विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रगति यात्रा से संबंधित जिन योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, उनके क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। सात निश्चय-2 के तहत संचालित योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू किया जाए तथा सात निश्चय-3 के अंतर्गत निर्धारित योजनाओं पर प्रभावी रूप

से कार्य शुरू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नई सरकार के गठन के बाद राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के उद्देश्य से सात निश्चय-3 कार्यक्रम लागू किया गया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान–जीवन आसान (ईज ऑफ लिविंग)' का मुख्य उद्देश्य राज्य के नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना और उनके जीवन को सरल बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य है कि सभी लोगों को सम्मान मिले और उनका जीवन यापन आसान हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह दो कार्य दिवस—सोमवार एवं शुक्रवार—को सभी सरकारी कार्यालयों में आम नागरिकों से सम्मानपूर्वक मिलें, उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला, प्रमंडल एवं राज्य स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में आम लोग अपनी शिकायतों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी से उनके कार्यालय कक्ष में मिल सकेंगे। साथ ही सभी सरकारी कार्यालयों में आगंतुकों के लिए सम्मानजनक बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था 19 जनवरी 2026 से प्रभावी रूप से लागू की जाएगी। इससे आमजनों को काफी सुविधा होगी और उनकी समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव एवं सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, चम्पारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक हरकिशोर राय, पूर्वी चम्पारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पताही में अवैध शराब कारोबार पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, दो गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही। थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पताही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज कुमार (पिता–रामप्रीतम महतो) एवं सूरज कुमार (पिता–दिनेश महतो) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी थाना क्षेत्र के चम्पापुर गांव के निवासी हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में पताही थाना कांड संख्या 09/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार और सख्ती के साथ जारी रहेगा।

चेन स्नेचिंग के आरोप में चार महिलाएं गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कैथवलिया स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर चेन स्नेचिंग कर रही चार महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना के समय मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चार महिलाओं को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान लक्ष्मी देवी (पति–जीतेन्द्र बिन्द, निवासी–चमरबिघा, थाना–तेलहरा, जिला–नालंदा), कुरामावती (पति–विनोद राम, निवासी–सिद्धार्थनगर, थाना–लोटन, जिला–नवगढ़, उत्तर प्रदेश), अंजली देवी (पति–अजीत कुमार राम, निवासी–संसारपार, थाना–बहरगंज, जिला–गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) तथा फूलमती देवी (पति–धर्मेन्द्र राम, निवासी–सकरापरसही, थाना–महाराजगंज, जिला–गाजीपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। गिरफ्तार महिलाओं के पास से सोने जैसा पीले रंग का एक हनुमानी लॉकेट बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गायघाट क्षेत्र की समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल, सोलर लाइट की मांग

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। गायघाट सामाजिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद राज भूषण चौधरी निषाद से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान गायघाट विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं और विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के क्रम में सुबोध कुमार सिंह ने केंद्रीय मंत्री को एक मांग पत्र सौंपते हुए गायघाट क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सोलर लाइट लगवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के कई इलाकों में रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण आम लोगों, राहगीरों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सोलर लाइट की व्यवस्था होने से न सिर्फ आवागमन सुगम होगा, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। केंद्रीय मंत्री राज भूषण चौधरी निषाद ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई मांगों को गंभीरता से सुना और क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और वे स्वयं क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर गायघाट सामाजिक मंच के पदाधिकारियों और केंद्रीय मंत्री के बीच क्षेत्र से जुड़े अन्य सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के दौरान गायघाट सामाजिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के साथ दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री के.एल. गुप्ता एवं महासचिव डॉ. राकेश कुमार भी उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय पिपरा कोठी में छात्रों का अनशन, व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

बीएनएम @ मोतिहारी। पिपराकोठी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में शनिवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब छात्र-छात्राएं विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं के विरोध में अनशन पर बैठ गए। विद्यार्थियों के इस कदम से विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया और प्रशासनिक हलकों में भी हलचल देखी गई। छात्रों का आरोप है कि विद्यालय का संचालन वर्तमान में प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्यरत वाइस प्रिंसिपल के नेतृत्व में ठीक से नहीं हो पा रहा है। उनका कहना है कि जब वे अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर कार्यालय जाते हैं, तो उन्हें गंभीरता से नहीं सुना जाता और कई बार डांट-फटकार कर लौटा दिया जाता है, जिससे छात्रों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अनशन पर बैठे विद्यार्थियों ने विद्यालय के सुरक्षा गार्ड पर छात्रों और अभिभावकों के साथ दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। छात्रों के अनुसार, इससे विद्यालय में भय का माहौल बन गया है। इसके साथ ही उन्होंने कैंटीन व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि कैंटीन में मिलने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब है और संचालन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। छात्रों ने अनुबंध पर कार्यरत कुछ शिक्षकों पर पढ़ाई के प्रति लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यार्थियों की मांग है कि विद्यालय में अनुशासन और संवाद व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए, शिक्षण व्यवस्था को मजबूत किया जाए और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय प्रशासन की ओर से बताया गया है कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से लिया जा रहा है और संबंधित समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन ने छात्रों से शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से समस्या सुलझाने की अपील की है।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025–29 की परीक्षा दिनांक 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ है। मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को एल.एन. डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं एम.एस.एस.जी. कॉलेज, अरेराज के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। दिनाँक - 17/01/26, परीक्षा के तीसरे दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में माइनर ग्रुप - ए के अंतर्गत इतिहास विषय की परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें कुल 1876 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में माइनर ग्रुप - बी के अंतर्गत राजनीति विज्ञान और उर्दू विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 636 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा कदाचार मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी प्रबंध किए गए थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ और परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

विराट रामायण मंदिर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ऐतिहासिक आगमन

यज्ञवेदी को किया प्रणाम, मंदिर प्रारूप का निरीक्षण, आचार्य किशोर कुणाल के तैल चित्र पर किया माल्यार्पण

» हेलीकॉप्टर से पहुंचे सीएम व दोनों उपमुख्यमंत्री

बीएनएम@अमित कुमार सिंह@ कैथवलिया/ कल्याणपुर

पूर्वी चम्पारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया जानकीनगर स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर शनिवार को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हेलीकॉप्टर से मंदिर परिसर पहुंचे। उनके साथ दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा एवं सम्राट चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर के हेलीपैड पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, एसपी स्वर्ण प्रभात, सायन कुणाल एवं उनकी पत्नी सांसद संभवी चौधरी, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, कल्याणपुर विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और मंदिर कमिटी के पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। गाजे-बाजे और पारंपरिक ढंग से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री यज्ञशाला पहुंचे, जहां उन्होंने यज्ञवेदी को श्रद्धापूर्वक प्रणाम किया। मंदिर परिसर में रखे गए विराट रामायण मंदिर के भव्य प्रारूप का भी उन्होंने गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा यज्ञमंडप के भीतर जाकर पूजा-अर्चना करते नजर आए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पैडेस्टल पर कार्य कर रहे कारीगरों तथा कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, जिससे वहां मौजूद लोगों में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इसके बाद मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं अन्य नेताओं ने मंदिर परिसर में स्थापित श्रद्धेय आचार्य किशोर कुणाल के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री समेत सभी अतिथियों ने मंदिर परिक्षेत्र का भ्रमण कर निर्माण कार्यों की जानकारी ली। समयाभाव के कारण करीब बीस मिनट तक रुकने के बाद मुख्यमंत्री एवं अन्य नेता पुनः हेलीकॉप्टर से मोतिहारी के लिए रवाना हो गए, जहां उन्हें अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था। मुख्यमंत्री के इस संक्षिप्त लेकिन ऐतिहासिक दौरे से क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक दृष्टि से नई ऊर्जा का संचार हुआ।

ब्रह्मलीन श्रद्धेय आचार्य किशोर कुणाल की पत्नी अनिता देवी ने बताया कि कुणाल जी हार्दिक इच्छा थी कि एक बहुत बड़ा मंदिर बनवाएं जिसपर उन्होंने कार्य किया। यहां चंपारण में मठ की जमीन मिली और अन्य लोगों ने भी सहयोग किया तब जाकर उनका सपना साकार हुआ

वह तो नहीं रहे परंतु इच्छा का पहला कदम आज जाकर पूरा हुआ है। 2030 तक मंदिर बनने की उम्मीद है।

न्यास बोर्ड के सचिव ललन सिंह ने कहा कि कुणाल के हर एक सपनों को हमलोग पूरा करेंगें। आज विश्व में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। उनके नहीं रहने का तो काफी अफसोस है। मगर उनके पुत्र सायन के साथ मिलकर उनके हर सपने को पूरा करना है। चंपारण ही नहीं देश नहीं पूरे विश्व में यह गौरव की बात है।

शिवलिंग स्थापना पर पहुंचे प्रमुख संत ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल ने सनातन धर्म के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन पर हम सभी सनातनियों को गर्व है।

शिवलिंग की स्थापना के अवसर पर पहुंचे संत डॉ. साधना महाराज ने कहा कि धर्म के स्थापना से अधर्म का नाश होता है। यह क्षण अदभुद और अद्वितीय है।

सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के अधिष्ठापन के अवसर पर जुना अखाड़ा के महामंडलेश्वर सह अरेराज मठ के पीठाधीश्वर रविशंकर गिरी महाराज ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इस अलौकिक बेला का साक्षी बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान भोलेनाथ महादेव की कृपा हमेशा ही सब पर बरसती रहे। चंपारण अपने इतिहास में हर समय एक इतिहास रचते आया है।

भगवान भोलेनाथ के गेटअप में पहुंचा एक श्रद्धालु भक्त।

मादक पदार्थ तस्करी मामले में दोषी को 14 वर्ष का कठोर कारावास, एक लाख रुपये अर्थदंड

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रभावी अनुसंधान, ठोस साक्ष्य और समय पर समर्पित चार्जशीट के आधार पर मादक पदार्थ की तस्करी के एक गंभीर मामले में न्यायालय ने कड़ा दंड सुनाया है। माननीय न्यायालय श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी, विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस) कोर्ट-2, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी ने रामगढ़वा थाना कांड संख्या 21/23 के तहत अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए 14 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला धारा 20(b)(ii)(c) एवं 23(c) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ा हुआ था। न्यायालय ने अभियुक्त पन्नालाल दास (पिता–जगदेव दास, निवासी–मुसहरवा, थाना–पलनवा, जिला–पूर्वी चंपारण) को दोषी पाते हुए 14 वर्ष का कठोर कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही आदेश दिया गया कि अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने अपने फैसले में यह माना कि पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, गवाहों के बयान एवं विवेचना विश्वसनीय और पर्याप्त हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रभाष कुमार त्रिपाठी ने मामले में प्रभावी रूप से पक्ष रखा, जिसके आधार पर न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा। पुलिस प्रशासन ने इस निर्णय को मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है। इस फैसले से नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त तत्वों को कड़ा संदेश मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आईसीपी रक्सौल में फिटनेस रन का आयोजन, 250 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

बीएनएम @ रक्सौल

आईसीपी रक्सौल के तत्वावधान में 'फिटनेस रन' कार्यक्रम के तहत जीरो लाइन क्षेत्र में ढाई किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र में स्वास्थ्य, फिटनेस और आपसी सद्भाव के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। मैराथन दौड़ का शुभारंभ भारतीय महावाणिज्य दूतावास, बिरगंज के महावाणिज्यदूत डी.एस. मीना, वाणिज्यदूत महेश दास, पतन प्रशासक कुमार राजीव रंजन, रक्सौल के सहायक कस्टम आयुक्त राघवेंद्र साह, एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्ण, बिरगंज आईसीपी प्रबंधक गणेश प्रसाद घिमिरे एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। दिल्ली से आई पूर्व एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा के दिशा-निर्देश में प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई। इस दौरान उन्होंने सभी को नियमित रूप से फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महावाणिज्यदूत डी.एस. मीना ने कहा कि स्वस्थ शरीर के साथ शांत एवं एकाग्र मन के लिए दौड़ और व्यायाम अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से आपसी प्रेम, सद्भाव और भाई चारे को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पतन प्रशासक कुमार राजीव रंजन ने की। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं, जिससे अनेक गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने नियमित व्यायाम और दौड़ को जीवनशैली में शामिल करने की अपील की। इस मैराथन दौड़ में स्कूली छात्र, सीमावर्ती ग्रामीण, आईसीपी कर्मी तथा एसएसबी जवानों सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लाइंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष बिमल सर्राफ, शिखा रंजन, आईसीपी कर्मी श्यामबाबू सिंह, रमन कुमार झा, अख्तर सैफी, कुंदन कुमार पांडेय, नारायण प्रसाद, प्रदीप कुमार दास सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एनएच-27 पर 10 किमी लंबा जाम, देर रात तक जूझती रही पुलिस

» नरसिंह बाबा भंडारा व कैथवलिया शिवलिंग स्थापना का असर

बीएनएम@डुमरियाघाट

नरसिंह बाबा के विशाल भंडारे तथा कैथवलिया जानकीनगर धाम स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर में सहस्त्रलिंगम शिवलिंग की ऐतिहासिक स्थापना के बाद नेशनल हाईवे-27 पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। डुमरियाघाट पुल से लेकर लगभग 10 किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वाहनों की अत्यधिक आवाजाही के कारण एनएच-27 से जुड़े प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात ठप जैसा हो गया। जाम से सर्वाधिक प्रभावित इलाकों में नरसिंह बाबा मंदिर परिसर, दुबौली चौक, रामपुर खजुरिया, सेंभूआपूर, धनगढ़हां सहित आसपास के ग्रामीण व शहरी मार्ग शामिल रहे। इन क्षेत्रों में वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और यात्री घंटों जाम में फंसे नजर आए।

देर रात तक मोर्चा संभाले रही पुलिस-जाम की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस को देर रात तक सड़क पर मोर्चा संभालना पड़ा। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु स्वयं पुलिस बल के साथ मौके पर डटे रहे। नरसिंह बाबा मंदिर के समीप तथा सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस वाहनों को डायवर्ट कर एक-एक कर निकालते हुए जाम को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही, हालांकि श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या के कारण स्थिति संभालना चुनौतीपूर्ण रहा।

आस्था का सैलाब, ट्रैफिक बना बड़ी चुनौती-एक ओर नरसिंह बाबा मंदिर में चल रहा विशाल भंडारा और दूसरी ओर कैथवलिया में सहस्त्रलिंगम शिवलिंग की स्थापना—इन दोनों धार्मिक आयोजनों में उमड़ी अपार भीड़ ने यातायात व्यवस्था पर भारी दबाव डाल दिया। श्रद्धालुओं के निजी वाहन, बसें एवं अन्य साधनों की एक साथ आवाजाही से एनएच-27 पर स्थिति और गंभीर हो गई। खबर लिखे जाने तक एनएच-27 पर जाम की स्थिति बनी हुई थी, हालांकि पुलिस प्रशासन को उम्मीद थी कि देर रात तक यातायात पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। राहत की बात यह रही कि दोनों धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

प्रशासन के लिए सबक-इतने बड़े धार्मिक आयोजनों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन के लिए यह एक महत्वपूर्ण सबक माना जा रहा है। भविष्य में बेहतर ट्रैफिक डायवर्जन प्लान, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और वैकल्पिक मार्गों की पूर्व व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ आम यात्रियों को भी राहत मिल सके। आस्था का यह महासंगम आध्यात्मिक दृष्टि से ऐतिहासिक रहा, लेकिन यातायात व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया।

अभाविप मोतिहारी नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी घोषित

बीएनएम @ मोतिहारी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की मोतिहारी नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। यह घोषणा 67वें प्रांत अधिवेशन (03 से 05 जनवरी 2025, गोपालगंज) के पश्चात संगठनात्मक विस्तार एवं छात्र हितों को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई। नगर अध्यक्ष के रूप में प्रभात शक्ति तथा नगर मंत्री के रूप में आदित्य राज को दायित्व सौंपा गया है। नगर सह मंत्री के पद पर रितेश सिंह, अजय कुमार, रौनक कुमार, विशाल कुमार एवं रौशनी कुमारी को नियुक्त किया गया है। खेलो प्रमुख की जिम्मेदारी अभिजीत अम्बर को दी गई है। सोशल फॉर्मेशन डिपार्टमेंट (SFD) प्रमुख के रूप में अनिकेत नारायण एवं सोशल फॉर्मेशन सर्विस (SFS) प्रमुख के रूप में रितेश गुप्ता को दायित्व सौंपा गया है। छात्रा प्रमुख के रूप में पलक कुमारी को जिम्मेदारी दी गई है। नगर कार्यालय मंत्री के पद पर गौरव कुमार, कोषाध्यक्ष पवन कुमार, मीडिया प्रभारी अभिमन्यु कुमार तथा सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में राजन एवं कुणाल को मनोनीत किया गया है। नगर इकाई की इस नवीन कार्यकारिणी की घोषणा जिला सहसंयोजक मृदुल जी द्वारा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं राष्ट्रीय कलामंच सह संयोजक सानिया दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ऋषभ राज एवं प्रकाश कुमार, हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रभाकर कुमार, राजनीतिक शास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. के.के. कृष्ण (पूर्व नगर उपाध्यक्ष, गोपालगंज), बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. सिन्हा, डॉ. संजीव कुमार सहित कुंदन कुमार एवं कुणाल कुमार उपस्थित रहे।

ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं

जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो डॉनल्ड ट्रंप ने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है। जो बातें डॉनल्ड ट्रंप पर बतौर इल्जाम कही जाती थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब खुद उसकी पुष्टि कर दी है। दो-टूक कहा है कि वे किसी अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे हुए नहीं हैं। उन्होंने सैनिक, आर्थिक या राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करने के मामलों में अपनी पूरी 'स्वतंत्रता0 का एलान किया। कहा कि अपने मकसद को हासिल करने की राह में आने वाली किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, कानून, समझौते आदि वे नहीं मानते। जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो उन्होंने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग- यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।0 राजतंत्र के दौर में समझा जाता था कि राजा की सोच या वह जो कहता है, वही कानून है। ताजा टिप्पणियों से ट्रंप ने उस दौर की मान्यता के अनुरूप खुद को विश्व सम्राट के रूप में पेश किया है। इन बातों की रोशनी में वेनेजुएला में उनके प्रशासन ने क्या किया या ग्रीनलैंड में क्या करने का इरादा रखता है, उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई नियम आधारित एवं उदार विश्व व्यवस्था के तर्कों से समझने की कोशिश व्यर्थ हो जाती है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उस समझ के आधार पर होने वाली आलोचनाओं का उनकी निगाह में कोई महत्व नहीं है। वे दुनिया को नए युग में ले गए हैं, जो शक्ति के सिद्धांत से प्रेरित है। ट्रंप के आचरण में यह बात पहले से ही साफ नजर आती रही है, मगर अब उन्होंने इनको सैद्धांतिक जामा भी पहना दिया है। संदेश यह है कि ट्रंप सिर्फ ताकत का सम्मान करना जानते हैं। संभवतः इसीलिए शी जिनपिंग या व्लादीमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए वे उतना अपमानजनक लहजा नजरिया नहीं दिखाते, जैसा इजहार दूसरे नेताओं- जिनमें यूरोपीय नेता भी शामिल हैं- के प्रति करते हैं। भारत जैसे देशों को इसका अर्थ समझना चाहिए। उन्हें ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रंप के दौर में अपने हित की रक्षा कैसे की जाए, यह यक्ष प्रश्न उनके सामने खड़ा है।

स्क्रीन के उजाले में बुझती युवा संवेदनाएँ

डॉ. संध्या एस चौकसे

आज का भारत युवाओं का भारत है। यही युवा देश की रीढ़ हैं और भविष्य की नींव भी, किंतु विडंबना यह है कि जिन हाथों में कलम किताबें औजार और रचनात्मकता होनी चाहिए, उन्हीं हाथों में आज हर पल एक चमकती हुई स्क्रीन दिखाई देती है। मोबाइल फोन! जिसने दुनिया को हमारी मुट्ठी में समेट दिया, वही अब हमारी संवेदनाओं संबंधों और संतुलन को चुपचाप निगलता जा रहा है। ऐसे में आज मोबाइल आधुनिकता का प्रतीक भर नहीं रहा है, वह घटती मानवीय संवेदनशीलता का सबसे स्पष्ट चेहरा बन चुका है। डिजिटल क्रांति ने शिक्षा संचार और सूचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर दिए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं। परंतु जब उपयोग की सीमा टूटती है तब वही साधन विनाश का कारण बन जाता है। भारत में आज युवा वर्ग मोबाइल लत का सबसे बड़ा शिकार है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार भारत में लगभग 50 प्रतिशत युवा किसी न किसी रूप में मोबाइल पर निर्भरता या लत के लक्षण दिखा रहे हैं। विश्व स्तर पर लगभग 6.9 प्रतिशत आबादी स्मार्टफोन लत से ग्रस्त मानी जाती है जिसमें भारतीय युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये आंकड़े आज उस गहरी सामाजिक समस्या की चेतावनी हैं जो हमारे सामने खड़ी है। हाल के वर्षों में मोबाइल से जुड़ी हिंसक और आत्मघाती घटनाएँ समाज को झकझोरने वाली हैं। ओडिशा के जगतसिंहपुर में 21 वर्षीय छात्र द्वारा मोबाइल देखने से रोके जाने पर अपने माता-पिता और बहन की हत्या कर देना। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में किशोर का अपने माता-पिता पिता द्वारा हर वक्त मोबाइल में डूबे रहने से मना किए जाने पर लोहे की छड़ से उन पर हमला कर देना, जिसमें कि पिता की जान किसी तरह बच सकी, लेकिन मां की जान चली गई। राजस्थान के जयपुर में तेरह साल की एक बच्ची को उसके माता-पिता ने मोबाइल देखने से मना किया और इससे गुस्साई उस बच्ची ने पहले अपने हाथ की नस काट ली, तो उसके अभिभावकों ने इलाज करा कर उसे बचा लिया। मगर अगले ही दिन उसने नदी में कूद कर जान दे दी। छत्तीसगढ़ और सरगुजा की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि मोबाइल अब आदत नहीं रहा बल्कि कई युवाओं के लिए भावनात्मक नियंत्रण का केंद्र बन चुका है। जब मोबाइल उनसे दूर होता है तो उन्हें लगता है जैसे उनका अस्तित्व ही छिन गया हो। युवा अवस्था लक्ष्य अनुशासन और निर्माण की होती है। परंतु मोबाइल की अंतहीन दुनिया युवाओं को लक्ष्यहीनता की ओर धकेल रही है। घंटों तक रील्स गेम्स और चैट में उलझे रहना पढ़ाई कौशल विकास और शारीरिक गतिविधियों का समय छीन रहा है। अध्ययनों के अनुसार औसतन भारतीय युवा प्रतिदिन चार से छह घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिताते हैं जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन किशोरों के लिए दो घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम को हानिकारक मानता है। इस असंतुलन का परिणाम है एकाग्रता में कमी धैर्य का अभाव और त्वरित आनंद की मानसिकता। मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल का प्रभाव अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली तथाकथित परफेक्ट लाइफ की तस्वीरें युवाओं को निरंतर तुलना के जाल में फँसा देती हैं। लाइक और फॉलोअर्स आत्म मूल्यांकन का पैमाना बन जाते हैं। शोध बताते हैं कि जो किशोर प्रतिदिन चार घंटे से अधिक मोबाइल का उपयोग करते हैं उनमें अवसाद के लक्षण 60 प्रतिशत तक अधिक पाए जाते हैं। मोबाइल लत चिंता अवसाद और नींद विकारों की संभावना को दो से तीन गुना तक बढ़ा देती है। अनिद्रा चिड़चिड़ापन और निर्णय लेने में कठिनाई आज सामान्य समस्याएँ बन चुकी हैं। सामाजिक अलगाव इस संकट का दूसरा गंभीर पहलू है। आभासी संवाद ने वास्तविक रिश्तों की जगह ले ली है। एक सर्वे के अनुसार मोबाइल के कारण माता पिता और बच्चों के बीच औसत संवाद समय घटकर मात्र दो मिनट रह गया है। जब परिवार में संवाद टूटता है तो भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि मोबाइल लत से ग्रस्त किशोरों में सामाजिक समर्थन की कमी 25 से 30 प्रतिशत अधिक पाई गई है। यह कमी उन्हें आत्मघाती विचारों और आत्म हानि की ओर धकेल सकती है। शारीरिक स्वास्थ्य भी इस डिजिटल लत से अछूता नहीं है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों में जलन सिरदर्द गर्दन और पीठ दर्द आम समस्याएँ बन गई हैं। देर रात तक मोबाइल उपयोग से नींद का चक्र बिगड़ता है जिससे हार्मोनल असंतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आती है। खेलकूद और शारीरिक श्रम की जगह बैठकर मोबाइल चलाने की आदत मोटापा आलस्य और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को बढ़ावा दे रही है। नैतिक और भावनात्मक स्तर पर मोबाइल का प्रभाव और भी चिंताजनक है। इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध अश्लीलता हिंसा और नकारात्मक सामग्री युवाओं की सोच को प्रभावित कर रही है। बार-बार हिंसक दृश्य देखने से संवेदनशीलता घटती जाती है और दूसरों के दुख दर्द के प्रति सहानुभूति कम होती है। साइबर बुलिंग ट्रोलिंग और नफरत भरे संदेश युवाओं को आक्रामक और असहिष्णु बना रहे हैं। त्वरित संतुष्टि की आदत धैर्य जिम्मेदारी और त्याग जैसे मूल्यों को कमजोर कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल दोधारी तलवार बन गया है। एक ओर ऑनलाइन संसाधनों ने सीखने को आसान बनाया है वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित उपयोग पढ़ाई में बाधा बन रहा है। नोटिफिकेशन और चैट के बीच गहन अध्ययन संभव नहीं रह जाता। कॉपी पेस्ट संस्कृति मौलिक सोच और विश्लेषण क्षमता को नुकसान पहुँचा रही है। इससे दीर्घकालीन बौद्धिक विकास प्रभावित हो रहा है और युवा शॉर्टकट की मानसिकता के शिकार बनते जा रहे हैं। साइबर अपराध भी युवाओं के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। फर्जी प्रोफाइल ऑनलाइन ठगी डेटा चोरी और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाएँ युवाओं को मानसिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुँचा रही हैं। निजी तस्वीरों और जानकारी का दुरुपयोग गोपनीयता के हनन को बढ़ावा दे रहा है। अनुभवहीनता के कारण युवा अक्सर इन जालों में फँस जाते हैं। इस परिस्थितियों में ध्यान यही आता है कि डिजिटल डिटॉक्स आज समय की आवश्यकता बन चुका है। सप्ताह में कुछ घंटे या एक दिन मोबाइल से दूरी मानसिक शांति और संतुलन प्रदान कर सकती है। स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय करना उद्देश्यपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। माता पिता को स्वयं उदाहरण बनना होगा और बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा। शैक्षणिक संस्थानों को खेलकूद कला और पुस्तक पाठ जैसी ऑफलाइन गतिविधियों को पुनः केंद्र में लाना होगा।

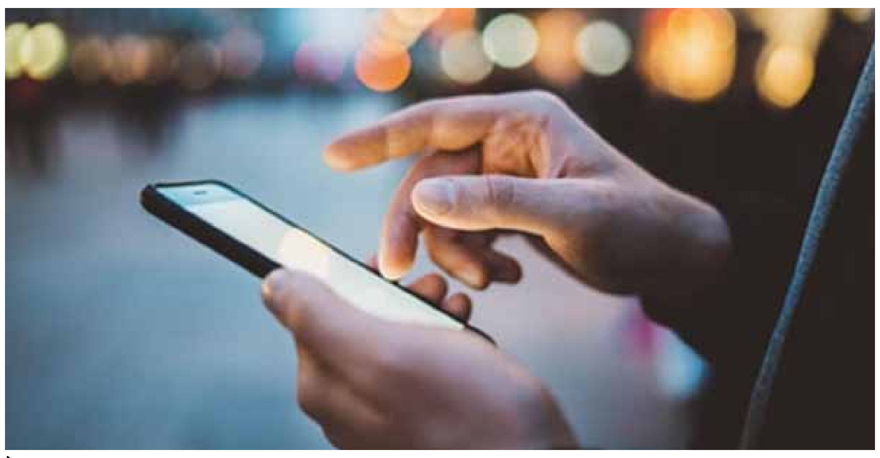

ईरान का इस्लामिक दुनिया से रिश्तों का जटिल जाल

विवेक शुक्ला

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। पर ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा "शिया विस्तारवादी" के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका के कठपुतली मानता है। 1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है। उन्हें खानपान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके। लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को "जैश उल अदल" नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिए। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ओआईसी में ईरान की स्थिति ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं। ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया। उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा। ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैंः लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ "प्रतिरोध" प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन से भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है लेकिन कई मुस्लिम राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं क्योंकि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। पिछले दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

हिंदू होने का मर्म है विविधता में एकता और आत्मभूतेषु भाव

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक देश होने के साथ ही एक चेतना है, एक संस्कार है, एक जीवन दृष्टि है। यह वह भूमि है जहां हजारों वर्षों से मानवता को जीने की कला सिखाई गई, जहां विविधता को शक्ति के रूप में देखा गया और जहां अंतःचेतना को ही एकता के लिए समाज की आधारशिला बनाया गया। इसी भारत के स्व को स्वर देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने आज जो कहा है, वह हम सभी के लिए गहन रूप से विचारणीय है। वस्तुतः ये भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाला वैचारिक उद्घोष है। जिसमें कि उनके शब्द हर हिंदू, हर सनातनी और हर भारतवासी के भीतर यह भाव जगाते हैं कि इस राष्ट्र का चरित्र हमारे आचरण से बनता है और इसकी जिम्मेदारी हमारे कंधों पर है। डॉ. भागवत का यह कथन है कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ऊपर एक चरित्र है, जोकि भारतीय सभ्यता के मूल स्वभाव को रेखांकित करता है। भारत की पहचान उसकी सीमाओं से अधिक उसके संस्कारों से है। यदि भारत में कुछ अच्छा होता है तो उसका श्रेय भी हिंदू समाज को जाता है और यदि कुछ गलत होता है तो उत्तरदायित्व भी उसी पर आता है। कहना होगा कि भागवत जी का ये कथन किसी श्रेष्ठता का दावा नहीं है, वस्तुतः एक गहन दायित्वबोध है। यह हमें स्मरण कराता है कि बहुसंख्यक होना अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है। हिंदू समाज की परंपरा मूलतः समावेशी रही है। यहां कभी एकरूपता थोपने का प्रयास नहीं हुआ। यहां विचार, पूजा पद्धति, जीवन शैली, भाषा और खानपान की असंख्य धाराएं साथ-साथ बहती रहीं और ये सतत है। किसी ने शंकर को पूजा, किसी ने राम को, किसी ने शक्ति को, किसी ने निराकार को, फिर भी समाज बिखरा नहीं। यही कारण है कि भारत में शैव, वैष्णव, शाक्त, बौद्ध, जैन और सिख परंपराएं टकराव नहीं, सह-अस्तित्व का उदाहरण बनीं। डॉ. भागवत जब कहते हैं कि हिंदू समाज ने विविधता को कभी संघर्ष का कारण नहीं बनने दिया, तो वे इतिहास के सत्य को दोहराते हैं। सदियों के आक्रमण, शोषण और सांस्कृतिक आघातों के बावजूद भारत की मूल चेतना सुरक्षित रही क्योंकि उसका आधार समावेश है। भारत की विविधता में एकता सिर्फ आदर्श वाक्य नहीं है, यह भारत का चरित्र और सामाजिक यथार्थ है। 2011 की जनगणना बताती है कि देश में 22

आधिकारिक भाषाएं हैं और हजारों बोलियां जीवित हैं। समाजशास्त्रीय अध्ययनों के अनुसार चार हजार से अधिक जाति और उपजातीय समूह भारत में मौजूद हैं, फिर भी एक सांस्कृतिक सूत्र पूरे समाज को बांधे रखता है। दीपावली, होली, रामनवमी, मकर संक्रांति जैसे पर्व किसी एक वर्ग के नहीं, पूरे समाज के उत्सव बन जाते हैं। यही वह भारत है, जहां भिन्नता के बावजूद एकत्व का अनुभव होता है। वर्ष 2021 के प्यू रिसर्च अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि भले ही सामाजिक संरचनाओं में अभी चुनौतियां हैं, लेकिन समरसता और समानता की दिशा में प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। कहना होगा कि इस समावेशिता की जड़ें भारतीय दर्शन में हैं। उपनिषदों का आत्मभूतेषु भाव, अर्थात सभी प्राणियों में एक ही आत्मा का दर्शन, हिंदू चिंतन की रीढ़ है। सर्वं खल्विदं ब्रह्म और अहं ब्रह्मास्मि जैसे महावाक्य व्यक्ति को धार्मिक के साथ ही उसे सामाजिक रूप से भी उदात्त बनाते हैं। जब मनुष्य सभी में स्वयं को देखने लगता है, तब भेदभाव स्वतः समाप्त होने लगता है। डॉ. भागवत का जाति, भाषा और व्यवसाय से ऊपर उठकर मित्रता करने का आह्वान इसी दर्शन का सामाजिक रूपांतरण है। यह वास्वत में व्यवहारिक सामाजिक सुधार का मार्ग है। यहां यह भी बताना होगा कि हिंदूत्व का यह दर्शन अध्यात्म तक सीमित नहीं है। यह शासन, समाज और अर्थव्यवस्था तक बहुत विस्तृत है। इसी क्रम में डॉ. भागवत का आत्मनिर्भरता पर जोर अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय उत्पादों के उपयोग का आग्रह आर्थिकता के साथ ही सांस्कृतिक स्वाभिमान से जुड़ा विषय है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत मार्च 2025 तक 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 16.5 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और बिक्री तथा लगभग 12 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की ठोस प्रक्रिया है। उन्होंने वैश्वीकरण को वैश्विक बाजार के बजाय वैश्विक परिवार के रूप में देखने की बात कही है। यह वही दृष्टि है, जिसने भारत को वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश दिया। भारत सदियों से अपने नागरिकों को सशक्त बनाकर विश्व के साथ संतुलित संबंध बनाने वाला राष्ट्र रहता आया है। आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मबल के साथ विश्व से जुड़ना है। हिंदू समाज में एकता के संदर्भ में डॉ. भागवत का संदेश स्पष्ट और दृढ़ है। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। संघ पहल करेगा, मार्गदर्शन देगा, किंतु नेतृत्व समाज को स्वयं करना होगा।भगवान राम का उदाहरण यह सिखाता है कि संवाद, धैर्य और मर्यादा भारतीय परंपरा का मूल है, किंतु जब अन्याय सीमा लांघ जाए, तब दृढ़ता भी आवश्यक है। यह संतुलन ही भारतीय चरित्र की पहचान है। आज जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दैनिक शाखा, साप्ताहिक मिलन और मासिक मंडली को मिलाकर संख्या देढ़ लाख से अधिक हो चुकी है और सामाजिक समरसता के प्रयास व्यापक रूप ले रहे हैं, तब यह स्पष्ट होता है कि समाज जाग रहा है। जातिगत भेद, आंतरिक विभाजन और हीनभावना को त्यागकर संगठित होना ही भारत की शक्ति का मूल है। संगठित समाज ही सांस्कृतिक निरंतरता, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी बनता है। अंततः भारत के लिए हिंदू होने का अर्थ किसी संकीर्ण पहचान में सीमित होना नहीं है। यह एक जीवन दृष्टि है, जो विविधता को सम्मान देती है, आत्मभूतेषु भाव से सभी में एकात्मता देखती है और आत्मनिर्भरता के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाती है। वस्तुतः आज डॉ. मोहन भागवत के कथन इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे हमें स्मरण कराते हैं कि भारत का भविष्य किसी और के हाथ में नहीं, हमारे अपने आचरण में निहित है। यदि हिंदू समाज अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का संकल्प लेता है तो भारत का चरित्र स्वतः उज्ज्वल होगा। यही हिंदूत्व का मर्म है, यही सनातन का संदेश है और यही भारत का गौरव भी है।

मेष राशि– नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ आज आपके दांपत्य जीवन में खुशियों का आगाज होगा। अगर नया कम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। छात्रों को अपनी तैयारी जारी रखनी चाहिए। जमीन जायदाद से जुड़े काम को आज पूरा कर लेंगे। इससे आपको हार्दिक ख़ुशी होगी।

वृष राशि– आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पिछले दिनों स्वास्थ्य से परेशान लोगों को आज काफी राहत होगी। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी। आज घरवालों के साथ ख़ुशी का वातावरण रहेगा। आज किसी बात पर अधिक गौर न करें अन्यथा आपको उलझन होंगी। आज आपका स्वास्थ फिट रहेगा।

मिथुन राशि– आज अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे आपका दिन शानदार रहने वाला है। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे। आज परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की बढ़ोतरी होगी। राजकीय क्षेत्र में लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना कर रखें। लोग आपका समर्थन करेंगे। लवमेट की पहले से चली आ रही अनबन आज ख़त्म होगी।

कर्क राशि– वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा। आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका मान सम्मान बढेगा।

सिंह राशि– आज मनचाही वस्तु आप ले सकते हैं आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के एम.टेक के छात्र किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं। बेहतर रहेगा आप किसी से राय ले लें। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति बढ़ोतरी होगी। आज मनचाही वस्तु आप ले सकते हैं।

कन्या राशि– आज दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज अनावश्यक किसी से बहस करने से बचें। आज दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज कार्य क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। दांपत्य जीवन का रिश्ता पहले से मजबूत बनेगा।

तुला राशि– आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज पारिवारिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनायेंगे।

वृश्चिक राशि– आज आपकी सेल्स में बढ़ोतरी होगी आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपके मनोबल में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी। व्यापार की शिथिलता से आपको राहत मिलेगी। आज आपकी सेल्स में बढ़ोतरी होगी। दोस्तों के साथ आज पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आपके स्वाभाव में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

धनु राशि– आपका आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत बनेगा आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में रूचि लेने वाले लोगों को सम्मानित किया जायेगा। स्वास्थ्य सम्बंधित समस्या से राहत मिलेगी। जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी। पारिवारिक सुख समृद्धि बढ़ेगा। स्वजनों से लगाव बना रहेगा।

मकर राशि– आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा आज आपका दिन सकारात्मक उर्जा से भरा रहेगा। आज मनपसंद वाहन लेने की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। बेटी का किसी मनचाहे फील्ड में सिलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

कुंभ राशि– आज ऑयली खान पान से परहेज करें आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज ऑयली खान पान से परहेज करें। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। दांपत्य जीवन की अनबन आज समाप्त होगी।

मीन राशि– आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रदर्शित होंगे आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज सबके प्रति स्नेह पूर्वक रहे, जिससे लोगों आपकी तारीफ करें। आज समझदारी से बातों को समझेंगे। आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रदर्शित होंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इंदौर में निर्णायक जंग, भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का फाइनल मुकाबला आज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पहले दो मुकाबलों में दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। अब तीसरा और अंतिम वनडे रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां सीरीज का विजेता तय होगा। दोनों ही टीमें मुकाबले के लिए इंदौर पहुंच चुकी हैं और अहम मैच से पहले तैयारियों में जुट गई हैं। सीरीज का पहला वनडे वडोदरा में खेला गया था, जहां भारत ने 4 विकेट से जीत दर्ज कर मजबूत शुरुआत की। हालांकि दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने शानदार वापसी करते हुए राजकोट में 7 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने सीरीज को बराबरी पर ला दिया और निर्णायक मुकाबले की जमीन तैयार कर दी। दूसरे मैच में डैरिल मिशेल का प्रदर्शन न्यूजीलैंड की जीत का सबसे बड़ा आधार रहा। उन्होंने नाबाद 131 रन की बेहतरीन पारी खेली और विल यंग के साथ 162 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे 285 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान हो गया। भारतीय टीम के लिए अब सबसे बड़ी चिंता बल्लेबाजों का निरंतर प्रदर्शन रहा है। अब तक बल्लेबाजी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी है, ऐसे में निर्णायक मुकाबले में टॉप और मिडिल ऑर्डर से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा होगी। दूसरी ओर गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, भी सवालों के घेरे में है। घरेलू मैदान पर भारतीय स्पिन गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। दूसरे वनडे में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा महंगे साबित हुए। कुलदीप ने 10 ओवर में 82 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि जडेजा ने आठ ओवर में 44 रन खर्च किए। दोनों ने मिलकर 18 ओवर में 126 रन लुटाए, जो टीम के लिए भारी पड़ा। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के डेब्यू स्पिनर जेडन लेनॉक्स ने भारतीय बल्लेबाजों पर अच्छा नियंत्रण दिखाया। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर एक विकेट लिया और मध्यक्रम को बांधे रखा। न्यूजीलैंड की इस जीत ने एक बार फिर उस समस्या को उजागर किया है, जिससे भारत पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में जूझ रहा है, जहां मेहमान टीम के स्पिनर भारतीय स्पिन आक्रमण के मुकाबले अधिक प्रभावी नजर आ रहे हैं। इंदौर का होलकर स्टेडियम बल्लेबाजों के लिए जाना जाता है। छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के कारण यहां बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बल्लेबाजों पर एक बार फिर निगाहें रहेंगी। शुक्रवार को दोनों टीमों ने नेट अभ्यास किया, जहां खिलाड़ियों ने पिच और परिस्थितियों को परखा। अब देखना दिलचस्प होगा कि निर्णायक मुकाबले में कौन सी टीम दबाव में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज अपने नाम करती है।

भारत की वनडे टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल

न्यूजीलैंड की वनडे टीम- माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, ज़ैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

अजिंक्य रहाणे निजी कारणों से रणजी ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलते नहीं नजर आएंगे। रहाणे ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को जानकारी दी है कि वे निजी कारणों से इस सीजन के बचे हुए दो लीग मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। मुंबई अपनी अगली दो लीग मुकाबलों में पहला हैदराबाद के खिलाफ 22 से 25 जनवरी तक और दूसरा दिल्ली के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी तक एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेलेगी। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने स्पष्ट किया है कि वे इस सीजन के बाकी रेड-बॉल मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम का हैदराबाद मैच के लिए ऐलान किया जाना हैं। रहाणे पिछले दो सीज़न से मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन जुलाई 2023 के बाद से भारत के लिए खेलते नहीं दिखे। इस रणजी सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा है, उन्होंने चार मैचों में केवल एक शतक बनाया। 37 वर्षीय रहाणे आगामी आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा होंगे। इससे पहले उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी छोड़ दी थी और शार्दुल ठाकुर को नया कप्तान बनाया गया था। कप्तानी छोड़ने के बावजूद रहाणे ने बतौर खिलाड़ी टीम में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई थी। रणजी ट्रॉफी की वर्तमान पॉइंट्स टेबल में मुंबई ग्रुप डी में पांच मैचों में तीन जीत और दो ड्रॉ के साथ 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब टीम के दो लीग मैच बाकी हैं, जिनमें रहाणे की अनुपस्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उन्होंने 85 टेस्ट में कुल 5077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भी खेले थे, जिसमें उन्होंने दो पारियों में कुल 135 रन बनाए थे। हालांकि, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हराकर जीत हासिल की थी। रहाणे की अनुपस्थिति में मुंबई की टीम के लिए युवा खिलाड़ियों को मौके मिल सकते हैं और टीम प्रबंधन को बचे हुए लीग मैचों में रणनीति बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मेनिन्जाइटिस से जंग जीतकर लौटे डेमियन मार्टिन, बोले- '2026 के लिए तैयार हूं'

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेमियन मार्टिन ने मेनिन्जाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से चमत्कारी रूप से उबरने के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा की है। 54 वर्षीय मार्टिन ने शनिवार को एक्स पर लिखा, "2026 के लिए तैयार हूं, मैं वापस आ गया हूं"। साथ ही उन्होंने और अपने परिवार, दोस्तों व शुभचिंतकों का आभार जताया। डेमियन मार्टिन पिछले महीने अचानक बीमार पड़ गए थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मेनिन्जाइटिस होने की पुष्टि की। यह बीमारी दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन पैदा करती है। इलाज के दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय तक कृत्रिम कोमा (इंड्यूस्ड कोमा) में रखा गया था। अपने पोस्ट में मार्टिन ने लिखा, "27 दिसंबर 2025 को मेरी जिंदगी मेरे हाथों से निकल गई थी, जब मेनिन्जाइटिस ने मेरे दिमाग को अपनी चपेट में ले लिया। मुझे बिना मेरी जानकारी के 8 दिनों के लिए पैरालाइज्ड कोमा में रखा गया, ताकि मैं इस खतरनाक बीमारी से लड़ सकूं और मैं लड़ा।" उन्होंने आगे बताया कि डॉक्टरों ने उनके बचने की संभावना 50-50 बताई थी। कोमा से बाहर आने के बाद वह न चल पा रहे थे और न ही बोल पा रहे थे, लेकिन महज चार दिन के भीतर उन्होंने न सिर्फ चलना और बोलना शुरू कर दिया, बल्कि डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वे रिकवरी के दौर में हैं। डेमियन मार्टिन ने 1992 से 2006 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट, 208 वनडे और 4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह स्टीव वॉ की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के अहम स्तंभ रहे और अपनी शानदार स्ट्रोक-प्ले के लिए जाने जाते थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 13 शतक लगाए और 46.37 की औसत से रन बनाए। मार्टिन 2003 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे। फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने रिकी पोंटिंग के साथ मैच जिताऊ साझेदारी करते हुए नाबाद 88 रन बनाए थे। उन्होंने 2006 एशेज सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और इसके बाद से सार्वजनिक जीवन से दूर ही रहे। अब गंभीर बीमारी को मात देने के बाद डेमियन मार्टिन की यह वापसी उनके प्रशंसकों और क्रिकेट जगत के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 असिस्टेंट कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेल विधाओं में 323 असिस्टेंट कोच पदों पर भर्ती के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। खेल प्राधिकरण, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत पंजीकृत है। चयनित असिस्टेंट कोचों की तैनाती देशभर में स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों या प्रशिक्षण केंद्रों में की जाएगी। इन पदों के लिए वेतनमान लेवल-6 के तहत 35,400 से 1,12,400 तक होगा (पूर्व में पे बैंड-II 9,300-34,800 + ग्रेड पे 4,200)।

इन खेलों में होगी भर्ती- असिस्टेंट कोच पदों के लिए जिन खेलों में रिक्तियां निकाली गई हैं, उनमें एथलेटिक्स (28), तीरंदाजी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबॉल (12), बॉक्सिंग (19), कैनोइंग (7), साइक्लिंग (12), फेंसिंग (11), हॉकी (13), फुटबॉल (12), जिम्नास्टिक्स (12), हैंडबॉल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो-खो (2), रोइंग (11), सेपक टकरॉ (3), शूटिंग (28), स्विमिंग (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वॉलीबॉल (10), वेटलिफ्टिंग (10), कुश्ती (22) और वुशु (6) शामिल हैं।

आरक्षण और योग्यता मानदंड- भर्तियां भारत सरकार की मानक आरक्षण नीति के अनुसार की जाएंगी। इसके अलावा प्रत्येक खेल विधा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी लागू होगा। इन पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आवश्यक योग्यता में साई एनएसएनआईएस, पटियाला या किसी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से कोचिंग में डिप्लोमा या समकक्ष प्रमाणपत्र शामिल है। इसके अलावा ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के साथ कोचिंग का सर्टिफिकेट, अथवा संबंधित खेल में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त उम्मीदवार भी पात्र होंगे।

चयन प्रक्रिया और करियर ग्रोथ- उम्मीदवारों का चयन दो चरणों में किया जाएगा — पहले कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन लिखित परीक्षा और उसके बाद कोचिंग एबिलिटी टेस्ट।

असिस्टेंट कोच पद कोच कैडर में ग्रुप 'बी' का एंट्री लेवल पद है। चयनित कोच भविष्य में ग्रुप 'ए' के तहत कोच, सीनियर कोच, चीफ कोच और आगे चलकर हाई परफॉर्मेंस कोच के पद तक पदोन्नति के पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों की तैनाती देश में कहीं भी की जा सकती है और उनकी वरिष्ठता अखिल भारतीय स्तर पर निर्धारित होगी। भर्ती से जुड़ी अधिक जानकारी भारतीय खेल प्राधिकरण के आधिकारिक माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

सेंसेक्स 187 अंक बढ़कर 83,570 पर और निफ्टी 28 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने मिश्रित संकेत दिखाए, जिसमें ग्लोबल अनिश्चितताओं, जियोपॉलिटिकल तनाव और विदेशी निवेशकों के लगातार आउटफ्लो के दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए। हफ्ते की शुरुआत सोमवार को बाजार में कमजोरी के साथ हुई। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी, अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की आशंकाएँ और वैश्विक जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के कारण सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 455.35 अंक गिरकर 83,120.89 पर आ गया। निफ्टी भी 135.35 अंक की गिरावट के साथ 25,547.95 पर पहुंचा। हालांकि दिन के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी में सुधार देखा गया और दोनों इंडेक्स मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने शुरुआती तेजी दिखाई, लेकिन विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के कारण दिन के अंत में सेंसेक्स 250.48 अंक गिरकर 85,627.69 पर और निफ्टी 57.95 अंक गिरकर 26,732.30 पर बंद हुआ। बुधवार को भी शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव जारी रहा, और सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 पर, निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को मुंबई महानगरपालिका चुनाव के कारण बाजार बंद रहा। शुक्रवार को बाजार ने सप्ताह के समापन पर हल्की बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 पर और निफ्टी 28.75 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ। साप्ताहिक समीक्षा के मुताबिक विदेशी निधियों की निकासी और वैश्विक बाजारों की अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने हफ्ते भर उतार-चढ़ाव के बीच स्थिरता बनाए रखी। निवेशक सतर्क रहे, लेकिन सप्ताह के अंत में बाजार ने मामूली सुधार दिखाया, जिससे संकेत मिलता है कि बाजार ने फिलहाल वैश्विक दबावों को संतुलित किया है।

निसान ने गगन मंगल को भारत में अपना हेड ऑफ कम्युनिकेशंस नियुक्त किया

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने गगन मंगल को अपना कम्युनिकेशंस हेड नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 12 जनवरी से प्रभावी हो गयी है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि गुरुग्राम के रहने वाले गगन मंगल एनएमआईपीएल के लिए कम्युनिकेशंस की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्सा के साथ मिलकर काम करेंगे। उनकी रिपोर्टिंग वाइस प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल कम्युनिकेशंस कैथरिन जाचारी के समक्ष होगी। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा, ''हमारे सफर के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर निसान मोटर इंडिया में हम गगन का स्वागत करते हैं। उनके पास ऑटोमोटिव कम्युनिकेशंस के क्षेत्र में व्यापक विशेषज्ञता और भारतीय मीडिया को लेकर मजबूत समझ है। हम अपने ब्रांड रीसर्जेंस को गति दे रहे हैं और एक्साइटिंग प्रोडक्ट लॉन्च की तैयारी में हैं। ऐसे में गगन का नेतृत्व हमारी कम्युनिकेशंस रणनीति को मजबूत करने और भारत में निसान को लेकर मजबूत रुख बनाने में मददगार होगा।'' निसान से जुड़ने से पहले गगन मंगल फॉक्सवेगन इंडिया से जुड़े थे। वहां वह प्रेस एवं मार्केटिंग कम्युनिकेशंस की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मैनेजमेंट ग्रेजुएट मंगल के पास कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस और मार्केटिंग का 18 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने फॉक्सवेगन और ह्युंडई समेत अग्रणी ऑटोमोटिव ओईएम के साथ काम किया है। अपने करियर में मंगल ने प्रोडक्ट लॉन्च के दौरान इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन रणनीति बनाने, बड़े इवेंट आयोजित करने, ब्रांड स्ट्रेटजी बनाने और कैंपेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी पिछली भूमिका में वह कम्युनिकेशंस रणनीति को आकार देने, मीडिया में मजबूती से पक्ष रखने और राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मीडिया के साथ संबंधों को मजबूत करने की जिम्मेदारी निभा रहे थे। गगन मंगल ने कहा, 'विकास एवं बदलाव के सफर में ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर निसान मोटर इंडिया से जुड़कर मैं वास्तव में उत्साहित हूं। निसान के लिए भारत प्राथमिकता वाला बाजार बना हुआ है। यहां ब्रांड की प्रासंगिकता, विश्वास एवं ग्राहकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के व्यापक अवसर हैं। मैं भारत में और वैश्विक स्तर पर कंपनी की टीम के साथ मिलकर काम करूंगा, जिससे स्पष्ट, आत्मविश्वास से भरपूर और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाली रणनीति बनाई जा सके।

गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर हो गया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। देश के प्रमुख शहरों में दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए और डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए और डीजल 91.76 रुपए तथा चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए और डीजल 92.61 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं।

लोकप्रिय लॉजिक्स कार्गो ई-स्कूटर का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली। जेलियो ई-मोबिलिटी कंपनी ने अपने लोकप्रिय लॉजिक्स कार्गो ई-स्कूटर का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नए लॉजिक्स फेसलिफ्ट की एक्स-शोरूम कीमत 56,551 रुपये से शुरू होती है। 2026 लॉजिक्स में पहले से ज्यादा मजबूत और मॉडर्न फ्रंट डिजाइन दिया गया है, जिससे इसकी रोड प्रेजेंस बेहतर होती है। यह स्कूटर खासतौर पर गिग वर्कर्स, डिलीवरी पार्टनर्स और छोटे बिजनेस ओनर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह स्कूटर ग्रे, व्हाइट, ग्रीन, ग्रीन-ब्लैक और रेड-ब्लैक जैसे कई कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है। भारी लॉजिस्टिक्स इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए इसमें 150 किलोग्राम तक की लोडिंग कैपेसिटी दी गई है, जो इसे लास्ट-माइल डिलीवरी के लिए उपयुक्त बनाती है। राइड क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए स्कूटर में टेलिस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और स्प्रिंग-लोडेड रियर सस्पेंशन दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 120 किलोमीटर की रेंज देता है। इसके अलावा, इसमें 90/90-12 फ्रंट टायर और 90/100-10 रियर टायर लगाए गए हैं, जो बेहतर ग्रिप और स्थिरता सुनिश्चित करते हैं। फीचर्स के मामले में जेलियो लॉजिक्स 2026 काफी एडवांस है। इसमें डिजिटल डैशबोर्ड, कीलेस एंट्री, मोबाइल चार्जिंग पोर्ट और कई स्मार्ट सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। एंटी-थेफ्ट डिटेक्शन, प्रॉक्सिमिटी लॉक-अनलॉक, साइड स्टैंड अलर्ट और रियल-टाइम व्हीकल डायग्नोस्टिक्स जैसे फीचर्स इसे ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। जेलियो ई-मोबिलिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर कुणाल आर्य के अनुसार, नया लॉजिक्स फेसलिफ्ट कम ऑपरेटिंग कॉस्ट, बेहतर सेफ्टी और स्मूथ राइड के साथ डिलीवरी राइडर्स और छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेगा। स्कूटर टिकाऊ प्लास्टिक बॉडी के साथ आता है और इसमें 2 साल की व्हीकल वारंटी तथा 1 साल की बैटरी वारंटी दी जा रही है।

बजट के दिन 01 फरवरी को कारोबार के लिए खुले रहेंगे शेयर बाजार

नई दिल्ली। शेयर बाजार के दोनों सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) इस साल 01 फरवरी को बजट पेश होने के दिन रविवार होने के बावजूद कारोबार के लिए खुले रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने निवेशकों को दी जानकारी में बताया सामान्य समय पर कारोबार होगा। ये निवेशकों को बजट की घोषणाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का मौका देगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दिन वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों को जारी परिपत्र में कहा कि केंद्रीय बजट पेश होने के कारण 01 फरवरी को सामान्य समय के हिसाब से 'लाइव' कारोबारी सत्र आयोजित किया जाएगा। परिपत्र के अनुसार, 'प्री-ओपन मार्केट' सुबह 09 बजे शुरू होकर 9.08 बजे समाप्त होगा और सामान्य कारोबार सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक चलेगा। इसी तरह बीएसई ने भी निवेशकों के लिए 01 फरवरी को कारोबार होने से संबंधित परिपत्र जारी किया है। बीएसई के नोटिस के अनुसार 1 फरवरी को 'विशेष कारोबार दिवस' घोषित किया गया है और बाजार सामान्य कारोबारी घंटों के लिए खुले रहेंगे।

कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों पर आजेएमए ने की सरकार से हस्तक्षेप की मांग

दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें अब तक का उच्चतम स्तर पर

कोलकाता। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) ने केंद्र सरकार से कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन ने जूट आयुक्त अमृत राज को लिखे पत्र में कहा कि मिलों के पास कच्चे जूट की आपूर्ति में गंभीर कमी आ गई है। दिसंबर 2025 में भंडार में लगभग 1.25 लाख गांठों की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें 13,000 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। आईजेएमए का कहना है कि इस आपूर्ति संकट और कीमतों में तेजी के कारण कई जूट मिलें उत्पादन बंद करने या इसे घटाने पर मजबूर हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 75,000 श्रमिक बेरोजगार हो चुके हैं। मिलों की यह स्थिति उद्योग की स्थिरता और जूट उत्पादक क्षेत्र के रोजगार पर गंभीर असर डाल रही है। कीमतों में वृद्धि को रोकने और जूट फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आईजेएमए ने सुझाव दिया है कि व्यापारियों, डीलरों, स्टॉकिस्टों और एजेंसियों को अपने कच्चे जूट के भंडार को 31 मार्च तक बेचने की अनुमति दी जाए। इसके बाद निजी स्तर पर किसी भी प्रकार का जूट व्यापार अवैध माना जाएगा। एसोसिएशन का मानना है कि इससे मिलों को आवश्यक कच्चा माल मिलेगा और श्रमिकों की रोज़गार सुरक्षा बनी रहेगी।

सुजैन खान ने ऋतिक रोशन और सबा आजाद पर लुटाया प्यार, किया खास पोस्ट

अभिनेता ऋतिक रोशन और सुजैन खान भले ही साल 2014 में अलग हो चुके हों, लेकिन दोनों के बीच आज भी दोस्ती और आपसी सम्मान का रिश्ता कायम है। 10 जनवरी को ऋतिक ने अपना 52वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके को लेकर सुजैन खान ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और खूबसूरत पोस्ट शेयर किया। सुजैन के इस पोस्ट में खास बात यह रही कि उन्होंने न सिर्फ अपने पूर्व पति ऋतिक के लिए प्यार जताया, बल्कि उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के लिए भी दिल से शुभकामनाएं दीं। हालांकि, इस खुलेपन और अपनापन भरे अंदाज को लेकर सुजैन को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। सुजैन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने दोनों बेटों के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद और सुजैन के मौजूदा पार्टनर अर्सलान गोनी की झलक भी दिखाई देती है। इस वीडियो के जरिए सुजैन ने एक खुशहाल और परिपक्व रिश्ते की तस्वीर पेश की, जिसे कई फैंस ने सराहा तो कुछ लोगों को यह रास नहीं आया। वीडियो के साथ सुजैन ने कैप्शन में लिखा, "क्योंकि तुम हमेशा हम सबके लिए तारों भरा आसमान रहोगे... हैप्पी बर्थडे रे.. तुम्हें और सबू को खूब प्यार और जिंदगी की बेहतरीन चीजें मिलें... यहां से अनंत तक, हमें परिवार की तरह जुड़े रहना है... हम सभी धन्य हैं और यूनिवर्स हम सबकी रक्षा करेगा।" ऋतिक रोशन और सुजैन खान बचपन के दोस्त रहे हैं, जिनकी प्रेम कहानी दिसंबर 2000 में शादी के बंधन तक पहुंची। हालांकि 14 साल की शादी के बाद दोनों ने साल 2014 में आपसी सहमति से तलाक ले लिया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने रिश्तों को सम्मान और समझदारी के साथ निभाने की मिसाल पेश की। तलाक के बाद भी ऋतिक और सुजैन ने बेहतरीन को-पेरेंटिंग का उदाहरण कायम रखा है। वे अक्सर अपने बच्चों के साथ फैमिली इवेंट्स, वेकेशन और अहम मौकों पर एक साथ नजर आते हैं। बच्चों के हर बड़े माइलस्टोन को मिलकर सेलिब्रेट करना उनके परिपक्व रिश्ते को दर्शाता है।

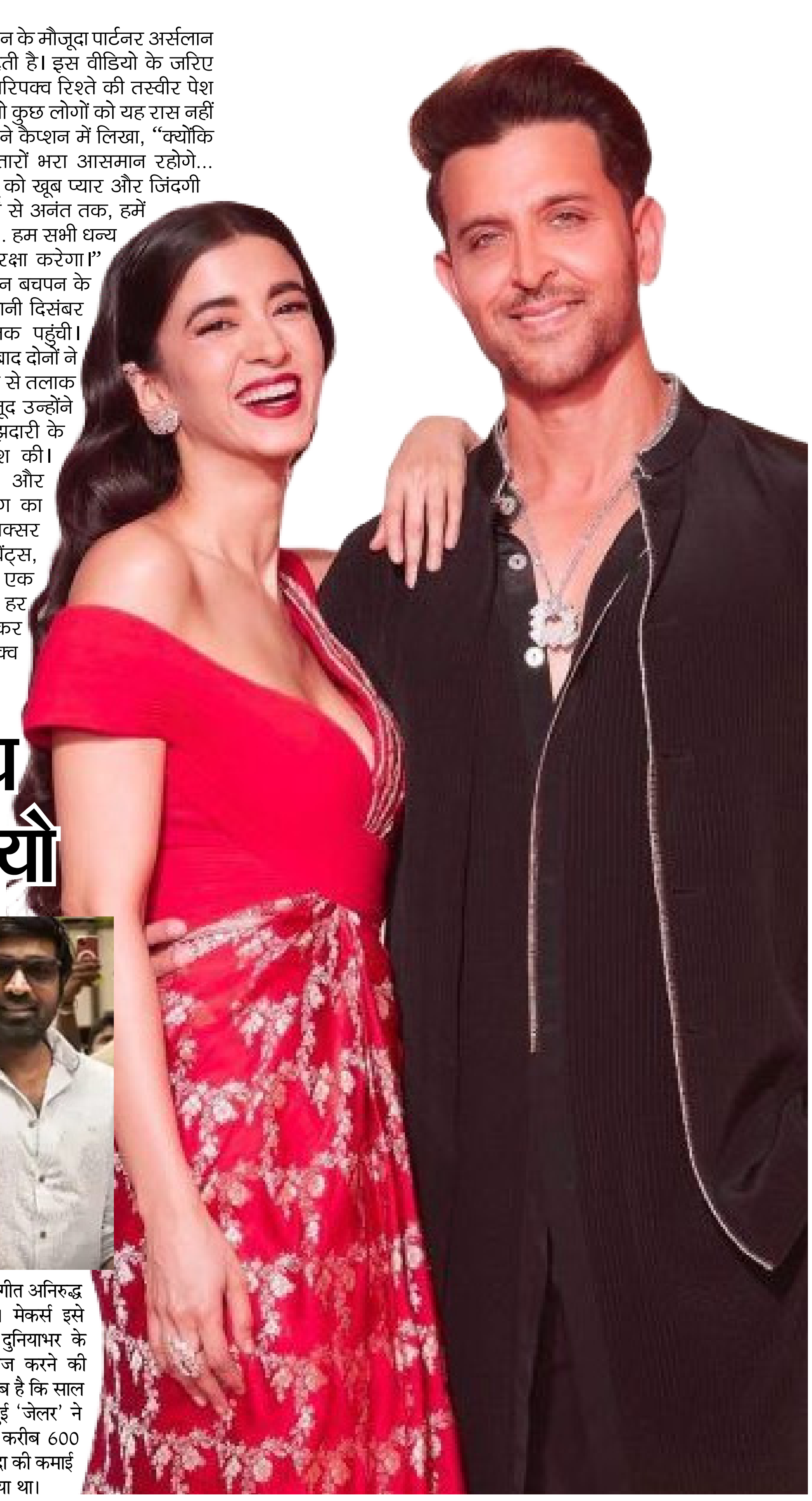

'द राजा साब' की कमाई में लगातार गिरावट, 40वें दिन भी 'धुरंधर' की मजबूत पकड़

'बाहुबली' जैसी मेगा ब्लॉकबस्टर देने वाले प्रभास से उनकी हर नई फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें आसमान छूती हैं। जब अभिनेता ने पहली बार हॉरर-कॉमेडी जॉनर की फिल्म 'द राजा साब' साइन की, तो इसे लेकर काफी उत्साह देखा गया। 9 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म से निर्माताओं और दर्शकों को बड़ी कमाई की उम्मीद थी, लेकिन रिलीज के महज पांच दिनों में ही इसके बॉक्स ऑफिस आंकड़े निराशाजनक साबित हो रहे हैं। करीब 400 करोड़ के भारी बजट में बनी इस फिल्म के लिए लागत निकालना भी अब मुश्किल नजर आने लगा है। फिल्म ने पहले दिन शानदार शुरुआत करते हुए सभी को चौंका दिया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'द राजा साब' ने ओपनिंग डे पर 53.75 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन यह आंकड़ा गिरकर 26 करोड़ रहा, जबकि तीसरे दिन फिल्म 19.1 करोड़ ही जुटा पाई। असली झटका कारोबारी दिनों में लगा, जब चौथे दिन कमाई घटकर 6.6 करोड़ और पांचवें दिन सिर्फ 4.85 करोड़ रुपये रह गई। पांच दिनों में फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 119.45 करोड़ रुपये तक पहुंच पाया है।

40वें दिन भी 'धुरंधर' ने दिखाई मजबूती- दूसरी ओर रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना स्टारर जासूसी एक्शन-ड्रामा 'धुरंधर' अब भी बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने की कोशिश कर रही है। फिल्म ने रिलीज के 40वें दिन 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जो 39वें दिन के 2.35 करोड़ से थोड़ा बेहतर है। इसके साथ ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 810.50 करोड़ रुपये हो चुका है। ओवरसीज कमाई जोड़ने के बाद 'धुरंधर' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 1262.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

'जेलर 2' में दिखेगा विजय सेतुपति का सरप्राइज कैमियो

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत का नाम ही उनकी फिल्मों के लिए काफी होता है। लंबे समय से उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' के सीक्वल को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बन रही 'जेलर 2' की शूटिंग इन दिनों जोर-शोर से चल रही है, जिसमें रजनीकांत पूरी तरह जुटे हुए हैं। खास बात यह है कि इस बार फिल्म में डबल धमाका होने वाला है, क्योंकि इसमें साउथ के एक और बड़े सुपरस्टार की एंट्री होने जा रही है।

विजय सेतुपति की 'जेलर 2' में एंट्री कंफर्म– रिपोर्ट के मुताबिक, विजय सेतुपति ने खुद 'जेलर 2' में कैमियो करने की पुष्टि कर दी है। अभिनेता ने कहा, "मैंने 'जेलर 2' में एक कैमियो किया है, क्योंकि मैं रजनीकांत सर का बहुत बड़ा फैन हूं। उनके साथ काम करके हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है। अब मैं वही विलेन या कैमियो रोल कर रहा हूं जो मुझे दिल से पसंद आते हैं।" विजय की इस पुष्टि के बाद फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुंच गई है।

अगस्त 2026 में होगी 'जेलर 2' की रिलीज– विजय सेतुपति के बयान से साफ है कि फिल्म में उनका कैमियो बेहद खास होने वाला है, हालांकि उन्होंने अपने किरदार को लेकर फिलहाल कोई हिंट नहीं दिया है। 'जेलर 2' का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है और फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। मेकर्स इसे अगस्त 2026 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि साल 2023 में रिलीज हुई 'जेलर' ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया था।

'राहु केतु' को मिला बड़े सितारों का समर्थन, दिग्गजों की सराहना के बाद माहौल और गर्म

फिल्म 'राहु केतु' को लेकर इंडस्ट्री में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है और अब इसे बड़े-बड़े सितारों का समर्थन भी मिल रहा है। अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त, अली फ़ज़ल और ऋत्विक धनजानी जैसे दिग्गजों की सराहना के बाद फिल्म को लेकर माहौल और गर्म हो गया है। ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही फिल्म चर्चा में बनी हुई है और इसे दर्शकों के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी भरपूर प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के लिए यह खुशी का पल तब और खास बन गया, जब कॉमेडी के माहिर निर्देशक अनीस बज़्मी ने 'राहु केतु' की टीम को बधाई दी। 'वेलकम', 'नो एंट्री' और 'सिंह इज़ किंग' जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्देशन के लिए पहचाने जाने वाले अनीस बज़्मी का समर्थन मिलना फिल्म के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अभिनेत्री कृति सेनन ने ट्रेलर को हंसी से भरपूर और पूरी तरह मनोरंजक बताया, जबकि बॉबी देओल ने भी टीम को शुभकामनाएं देकर उत्साह बढ़ाया है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज़ नज़दीक आ रही है, दर्शकों की उत्सुकता भी तेज़ी से बढ़ रही है। जब पूरी इंडस्ट्री एक साथ समर्थन में खड़ी नजर आए और माहौल में कॉमेडी व उत्साह की झलक हो, तो साफ है कि 'राहु केतु' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक खास सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है। ज़ी स्टूडियोज़ की प्रस्तुति, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

'काबिल 2' पर बड़ा हिंट, संजय गुप्ता बोले– इस बार और भी खतरनाक

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन अपनी पिछली फिल्म 'वॉर 2' से मिली निराशा को पीछे छोड़ते हुए जल्द ही धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। इसके लिए वे 'कृष 4' के साथ दर्शकों के सामने आएंगे, जिसमें अभिनय के साथ-साथ निर्देशन की जिम्मेदारी भी ऋतिक ने खुद संभाली है। इसी बीच एक खबर आई है कि ऋतिक अपनी सुपरहिट फिल्म 'काबिल' का सीक्वल लेकर आ सकते हैं। फिल्म निर्माता संजय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'यह तैयार है और इस बार कहीं ज्यादा खतरनाक!" हालांकि, अभी तक सीक्वल के कलाकार और प्रोडक्शन से जुड़ी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। ऋतिक और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'काबिल' साल 2017 में रिलीज हुई थी और भारत में लगभग 103.84 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया था। इसमें ऋतिक ने अंधे व्यक्ति रोहन भटनागर का किरदार निभाया था, जबकि यामी उनकी पत्नी के रोल में थीं। फिल्म की भावुक कहानी, संगीत और दर्शनीय दृश्यों ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 'काबिल 2' की पुष्टि होते ही प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उत्साह व्यक्त किया और ऋतिक से फिल्म जल्दी बनाने की अपील की। ऋतिक की यह वापसी और 'काबिल 2' का आगमन बॉक्स ऑफिस पर नई उम्मीदें जगाने वाला है।

धनुष की नई फिल्म 'करा' का पोस्टर आया सामने

सुपरस्टार धनुष अपने हर किरदार से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते आए हैं। आनंद एल राय की पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' के जरिए उन्होंने रोमांस और एक्शन का जबरदस्त मेल दिखाया था। अब एक बार फिर धनुष अपनी अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'D54' को आखिरकार आधिकारिक टाइटल मिल गया है, जिसकी घोषणा अभिनेता ने फिल्म से अपना पहला लुक शेयर कर की है।

'D54' का टाइटल बना 'करा'– धनुष की इस आगामी फिल्म का नाम 'करा' रखा गया है। जारी किए गए पोस्टर में अभिनेता बेहद गुस्से और उग्र अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनकी आंखों में झलकता आक्रोश और तीखा लुक फैंस के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर रहा है। पहले ही लुक ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और दर्शक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करने लगे हैं।

2026 की गर्मियों में रिलीज होगी 'करा'– 'करा' का निर्देशन विग्नेश राजा कर रहे हैं, जबकि फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल जून में शुरू हुई थी और अब यह अपने पोस्ट-प्रोडक्शन की ओर बढ़ रही है। मेकर्स ने इसकी रिलीज 2026 की गर्मियों में तय की है। ऐसे में एक बार फिर धनुष अपने दमदार और तीखे किरदार के साथ बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं।

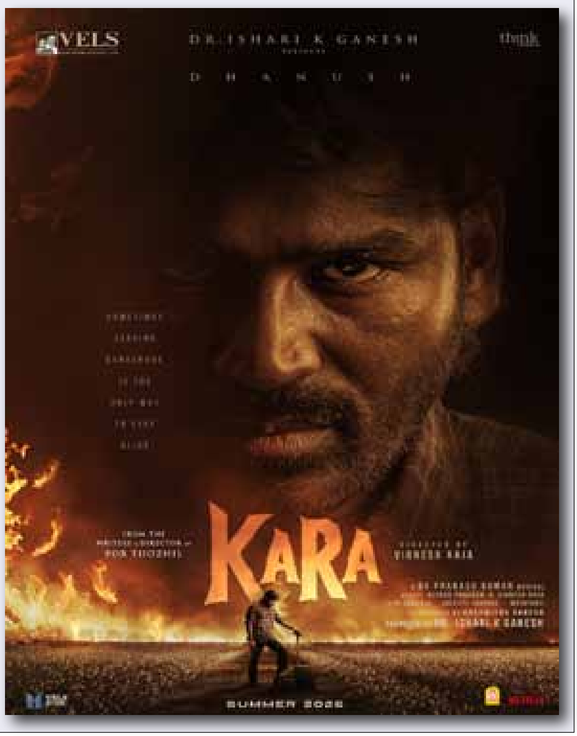

साई पल्लवी और जुनैद खान की नई फिल्म का ऐलान

आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी नई फिल्म का आधिकारिक ऐलान कर दिया है, जिसके साथ साउथ की चर्चित अभिनेत्री साई पल्लवी बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी जुनैद खान के साथ बनी है, जो इससे पहले 'महाराज' और 'लवयापा' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। मेकर्स ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए इसके नाम और रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। लंबे समय से 'मेरे रहो' टाइटल की चर्चा के बाद अब साफ हो गया है कि फिल्म का नाम 'एक दिन' रखा गया है।

पोस्टर में दिखी रोमांटिक झलक- 'एक दिन' के पहले पोस्टर में जुनैद खान और साई पल्लवी बर्फबारी के बीच आइसक्रीम खाते नजर आ रहे हैं। दोनों को कॉलेज के दिनों के प्रेमी जोड़े के रूप में दिखाया गया है, जो फिल्म के रोमांटिक मिजाज की झलक देता है। पोस्टर के साथ शेयर किए गए कैप्शन में लिखा गया है, "ज़िंदगी की उथल-पुथल में प्यार आपको ढूंढ ही लेता है... एक दिन।" साथ ही यह भी बताया गया है कि फिल्म का टीजर 16 जनवरी को रिलीज किया जाएगा।

1 मई 2026 को रिलीज होगी फिल्म- इस रोमांटिक-ड्रामा फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे कर रहे हैं। 'एक दिन' को 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। साई पल्लवी की यह बॉलीवुड डेब्यू फिल्म होने के चलते दर्शकों में इसे लेकर खासा उत्साह है, वहीं जुनैद खान के साथ उनकी नई जोड़ी भी फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरती नजर आ रही है।

'As if it's Jantar Mantar!' SC 'disturbed' by ED's charge; agency says TMC asked people to come to HC before I-PAC raid hearing

NEW DELHI,Agency: The Supreme Court on Thursday expressed that it was "disturbed" by the chaos at Calcutta high court on January 9 which led to the adjournment of the hearing on ED plea against Mamata Banerjee government over I-PAC raids. Reacting to the central agency's charge that TMC "instructed" people to go to the HC, SC remarked whether it was a protest site like Jantar Mantar.

"Kindly see what happened in this case. We approached the (Calcutta) High Court. This is what happens when mobocracy replaces democracy. This is what the high court records. I have placed on record Whatsapp chats of the law wing of the party in power. This was not spontaneous and they were instructed by the legal cell of the party to go there," PTI quoted SG Tushar Mehta saying.

"Come everyone? As if it's Jantar Mantar!", remarked Justice Mishra. The SG pointed out that "buses and vehicles" had allegedly been arranged to ferry people to HC on January 9. He further said that prior to yesterday's hearing, the acting chief justice had issued an administrative order restricting the entry of unauthorised persons into the courtroom.

"The proceeding was livestreamed and the hearing was less than satisfactory. ED faced many difficulties and

the microphone was constantly muted," Mehta said.

As advocate Kapil Sibal commenced his submissions on behalf of Mamata, the bench observed that the incidents that unfolded in the Calcutta HC were disturbing. "We are disturbed by the manner in which the hearing in the High Court was last week adjourned due to commotion," Justice Mishra said.

When the SG suggested that the gathering in the courtroom may have been intentional or unintentional, the judge responded, "intentional or not, the high court has recorded something", pointing to the fact that the high court itself had adjourned the matter after recording the reason as commotion.

Calcutta HC proceedings were adjourned on January 9 after chaos disrupted the hearing in the ED-I-PAC matter and the Trinamool Congress's counter-petition.

The top court termed the ED's allegation that Mamata obstructed its investigation as "very serious" and said it would examine whether state authorities can interfere with probes conducted by central agencies in serious cases. The court stayed the FIR filed by West Bengal police against ED officials and ordered that CCTV footage of the January 8 raids be preserved.

The ED approached the top court after its officers allegedly faced resistance during searches at the I-PAC office and the residence of its director, Pratik Jain, in a coal smuggling case. While the ED claimed Banerjee entered the premises and took away "key" evidence, the chief minister and the TMC deni.

Smridhi Yatra : Order in Motion

Sagar Suraj

MOTIHARI: Bihar Chief Minister Nitish Kumar's Smridhi Yatra, envisioned as a recalibration of governance culture, reached Motihari with both promise and scrutiny. Framed by the credo "Sabka Samman—Jeevan Aasan," the tour seeks to move beyond concrete-and-culvert development toward an administrative ethic anchored in dignity, access and time-bound redressal. In East Champaran, the Chief Minister reiterated that development must be felt in everyday encounters with the state. The seventh resolve of Sapt Nishchay-3—mandating Mondays and Fridays for public grievance hearings

across offices—signals an attempt to unclog a bureaucracy long criticised for procedural labyrinths. The emphasis on basic amenities in offices, from drinking water to seating, underscores a shift from file-centric routines to citizen-first service. Progress reviews, however, have drawn mixed reactions. Official briefings point to faster execution under Sapt Nishchay-2 and the roll-out of Sapt Nishchay-3 targets, with Kumar issuing a clear warning against delays in approved projects. In Motihari, he reviewed training at the women's ITI under a Tata Technologies programme, inaugurated projects worth 138 crore, and laid foundations for works valued at 34 crore—an unmistakable signal of priority for East Champaran. The visit also blended enterprise and identity. Stalls run by Jeevika didis and micro-entrepreneurs reflected the state's push for livelihoods, complemented by bank-linked assistance of 370 crore for self-employment. Infrastructure updates—from the Dhnauti river RCC bridge to works around the Virat Ramayan Mandir—wove development with cultural affirmation. Behind the scenes, security and coordination were decisive to the yatra's smooth conduct. The meticulous arrangements by Swarn Prabhat, Superintendent of Police, Motihari, and Harikishor Ray, DIG, ensured crowd management, traffic regulation and inter-agency synchrony—quietly enabling the political theatre to proceed without disruption.

Chinese manja menace kills 9 in Gujarat, fireman in Maharashtra

SURAT/BHIWANDI,Agency: The menace of banned Chinese manja cast a deadly shadow over the kite-flying season, killing nine people in Gujarat, while a fireman in Maharashtra and a 33-year-old man in Vadodara were electrocuted in kite-linked accidents.

In Surat, a motorbike carrying a couple and their daughter plunged about 60ft from Chandrashekhar Azad flyover. Sources said Rehan Shaikh, 34, lost control while trying to avoid manja strands dangling across the bridge and struck the railing, throwing all three down to the ground below. Shaikh and daughter Alisha Khatun died after being rushed to hospital. Shaikh's wife Rehana Bibi, who initially survived, died at hospital on Thursday.

Riyansh Borse, 8, was cycling in Surat's Jahangirpura when a kite string cut his throat and he died bleeding. Prince Batham, 23, died in a similar way in another location. He was the youngest among three brothers and a native of Kannauj in UP.

In Bharuch district, Rahul Parmar, 35, died after a manja cut his throat while riding a motorcycle. An eight-year-old boy died after suffering critical neck injuries in Anand district while riding with his father on the motorcycle's fuel tank. In Aravalli district, 17-year-old Tirth Patel died after a kite string caught his neck.

Omar Abdullah speaks to Jaishankar on J&K students stuck in Iran

SRINAGAR, Agency: Jammu and Kashmir chief minister Omar Abdullah spoke on Thursday with external affairs minister S. Jaishankar on the situation in Iran and cited assurances that all steps will be taken for the safety of hundreds of students and others from J&K stranded in the protest-wracked country.

J&K Students Association (JKSA) put the number of students in Iran at over 2000, 95% of them in medical courses. "He (Jaishankar) shared his assessment of the ground situation & the plans that the ministry is working on. I'm grateful for his assurance that all steps will be taken to safeguard the interests & lives of students & other people from J&K who are in Iran now," Omar wrote on X.

PDP president and former CM Mehbooba Mufti sought central intervention. "Thousands of students from across the country, including Kashmir, are stranded in Iran amid the present volatile situation. This has triggered deep fear and anxiety in anguished parents desperately worried about their children's safety. Urge S Jaishankar and MEA (external affairs ministry) to intervene urgently and ensure their safe return," Mehbooba posted on X.

Opposition slams Chhattisgarh govt as 'rat' theory blamed for vanishing paddy

RAIPUR,Agency: 'Rats' have become Chhattisgarh's newest political flashpoint after managers at paddy procurement centres blamed rodents, among other reasons, for paddy worth crores of rupees going missing or rotting.

In Kabirdham district, about 26,000 quintals of paddy worth Rs 7 crore were reported 'damaged', dried or missing from two procurement centres. Officials initially cited rats, termites, and weather as reasons for the loss, triggering a backlash from opposition parties which alleged a statewide scam in grain procurement and storage.

The state issued a clarification, stating that reduc-

tion in paddy weight due to moisture loss and minor pest-related damage is a scientific, natural and decades-old phenomenon, not evidence of corruption. Officials stressed that paddy loses weight when stored in open due to evaporation of moisture, a physical process recognised across all major paddy-producing states.

However, opposition parties alleged the 'rat' explanation was a cover for the scam as paddy worth Rs 30 crore across Kabirdham, Mahasamund, Jashpur, and Bastar has either rotted, gone missing or been written off on account of pests, moisture, and weather.

Janta Congress Chhattisgarh launched a 'wanted rats' campaign in Kabirdham's Kawardha, putting up posters across district. The party's state chief, Amit Jogi alleged, "They are saying rats ate paddy. So, we have put up posters and are searching for this missing rat." He urged people to tell the party "whether these rats have four legs or two."

As the controversy grew, BJP MP Brijmohan Agrawal added fuel to the fire with a sarcastic remark that the govt would "arrange cats for the treatment of rats" accused of devouring paddy.

Experts warn: Mass removal of stray dogs could backfire on public health

NEW DELHI,Agency: A coalition of multisectoral experts from a range of global institutions has lent its weight to petitioners in the stray dog case being heard in Supreme Court. The coalition warned that authorities' proposals to remove and mass-shelter India's free-living community dogs could undermine public health, go beyond the law, destabilise urban ecosystems and impose enormous fiscal costs, without delivering greater public safety.

The cautionary note draws on experience of veterans in public health, behavioural science, veterinary medicine and law. Signatories include Chinny Krishna who pioneered India's Animal Birth Control programme, evolutionary biologist Lee Dugatkin (University of Louisville, US), Anindita Bhadra of IISER Kolkata, public health expert Leena Menghaney, Pushpinder Singh Khera of AIIMS Jodhpur, and Julie Corfmat of Mission Rabies among a host of others. Organisations include International Companion Animal Network (ICAN), Pet Dog Trainers of Europe (PDTE), International Institute for Canine Ethics (IICE) and Bangalore Hundeskole Academy for Research and Canine Studies (BHARCS). Highlights of their analysis:

Free-living dogs form stable social groups when food sources, sterilisation, and vaccination coverage remain consistent.

Large-scale removal disrupts these systems, creating territorial vacuums

that are rapidly filled by other dogs -- often unvaccinated and unsterilised -- an effect associated with increased dog-bite incidents and heightened disease risk.

Mass removal undermines rabies control by dismantling herd immunity. India's existing Catch-Neuter-Vaccinate-Release (CNVR) framework, when implemented consistently, targets the internationally recognised threshold of vaccinating at least 70% of dogs in a given area.Data show steep declines in human rabies deaths and dog-bite incidence in areas with sustained sterilisation and vaccination programmes. Abandoning this approach risks reversing hard-earned gains achieved over past two decades.Mass sheltering, experts argue, compounds the risks. High-density animal housing is globally classified as a biohazard activity, requiring stringent quarantine, disease surveillance, and worker-safety protocols. Dugatkin noted claims justifying removal often rest on myths rather than biology. "These dogs have coexisted with humans in India for millennia. Disrupting stable populations based on fear or misinformation ignores everything we know about animal behaviour and disease ecology," he said.Anthrozoologist Sindhoor Pangal said the debate had become detached from evidence. "Replacing proven, low-cost public-health systems with a mass-detention model is not just unscientific -- it actively increases risk while draining resources that should be strengthening vaccination and disease prevention," she said.Position statements from IICE highlight that large shelters frequently experience overcrowding, stress-induced immunosuppression, and rapid disease transmission, particularly where enforcement capacity is limited.